RAJHIN/2016/70516 Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 अंक-329 जयपुर, शुक्रवार, 29 मई 2026 मूल्य-4 रूपये

गंगा में 15 लोगों से भरी नाव डूबी, 3 मौतें

पटना

पटना के बाढ़ में गंगा में नाव पलटने से 3 लोगों की डूबने से मौत हो गई। जबकि 4 लापता बताए जा रहे हैं। 7 लोगों को बचा लिया गया है। नाव पर करीब 14 लोग सवार थे। जिसमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे शामिल थे। हादसा बाढ़ के उमानाथ इलाके में हुआ है।

मृतकों की पहचान नीलम कुमारी (30), श्रवण महतो (36) और काशी कुमार (15) के रूप में हुई है। श्रवण और काशी का संबंध पिता-बेटे का है।

घायलों में राहुल कुमार, ममता देवी, कबूतरी कुमारी और 16 साल की एक नाबालिग लड़की शामिल है। बाकी 3 की पहचान अभी नहीं हो पाई है। नाव पर सवार सभी लोग बाढ़ थाना क्षेत्र के मासूमगंज बिंद टोली के निवासी थे।

पंखे से लटकी मिली महिला कॉन्स्टेबल

प्रतापगढ़

प्रतापगढ़ में महिला कॉन्स्टेबल का शव सरकारी क्वार्टर में फंदे से लटका मिला। साथी कॉन्स्टेबल ड्यूटी पर बुलाने गए तो दरवाजा अंदर से बंद था। खटखटाने पर काफी देर तक दरवाजा नहीं खोला तो तोड़कर देखा। अंदर कॉन्स्टेबल पंखे से लटकी हुई थी। मामला छोटी सादड़ी थाना क्षेत्र में गुरुवार सवेरे 7 बजे का है। मौके पर एफएसल टीम को बुलाया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी बी.आदित्य सहित कई उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचे।

एसपी बी.आदित्य ने बताया- छोटी सादड़ी थाने में पोस्टेड महिला कॉन्स्टेबल शोम कुंवर (26) पुत्री कुशल सिंह निवासी वरमंडल, प्रतापगढ़ का शव सरकारी क्वार्टर से मिला है। शोम कुंवर की सुबह ईद को लेकर ड्यूटी थी। उन्हें ड्यूटी पर जाना था, साथियों ने कॉल किया तो उन्होंने अटैंड नहीं किया।

मौके पर एफएसल की टीम को बुलाया गया है। फिलहाल, मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस सभी एंगल से मामले की जांच कर रही है।

सीबीएसई के नए मार्किंग सिस्टम पर बढ़ा सवाल तो केन्द्रिम मंत्री ने मानी गडबडी

मानता हूं गड़बड़िया हुई है, पुनर्मुल्यांकन में हर विद्यार्थी को मिलेगा इंसाफः प्रधान

प्रधान बोले- किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देंगे

नई दिल्ली

सीबीएसई के ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) सिस्टम को लेकर उठ रहे सवालों के बीच शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को इस ओएसएम सिस्टम का खुलकर समर्थन करते हुए कहा कि दुनिया के तमाम देशों में इसे अपनाया जा रहा है। उन्होंने छात्रों एवं अभिभावकों को आश्वासन दिया कि किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

शिक्षा मंत्री प्रधान ने सीबीएसई मुख्यालय में शीर्ष अधिकारियों एवं तकनीकी विशेषज्ञों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों से कहा, सीबीएसई ने पहली बार इस सिस्टम को लागू किया है। इसमें कुछ विसंगति ध्यान में आई हैं। इसका मैं दायित्व लेता हूं। इसका उपाय निकाला जाएगा। इसके लिए हमसब जुटे हैं। प्रधान ने कहा तकनीकी और पेमेंट संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए सरकार ने बड़े कदम उठाए हैं। इनमें इस पूरी तकनीक, कोडिंग और सॉफ्टवेयर की जांच के लिए आईआईटी कानपुर और आईआईटी मद्रास के निदेशकों व उनके विशेषज्ञ प्रोफेसरों की टीम को तैनात किया है। उन्होंने आंकड़ों को सामने रखते हुए व्यवस्था की व्यापकता को समझाया कि परीक्षा में बैठे लगभग 17 लाख छात्रों की कुल 98 लाख कॉपियां थीं। प्रति कॉपी औसतन 40 पृष्ठों के हिसाब से लगभग 40 करोड़ पेज को स्कैन किया गया। अब तक लगभग 4 लाख छात्र अपनी करीब 11 लाख स्कैन की गई कॉपियां डाउनलोड कर चुके हैं और उनकी जांच कर रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया एक भी छात्र की कॉपी की जांच को अनसुलझा नहीं छोड़ा जाएगा। ओएसएम का उद्देश्य छात्रों को पारदर्शिता के साथ उनकी उत्तर-पुस्तिका सौंपनी है ताकि वे अपने अंक देख सकें और अपनी आपत्तियां दर्ज करा सकें। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा डिजिटल मूल्यांकन के कॉन्ट्रैक्ट आवंटन में नियमों को दरकिनार करने के आरोपों और न्यायिक जांच की मांग पर शिक्षा मंत्री ने तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी निरंतर चुनाव हारने के कारण निराश हो चुके हैं। उन्होंने पहले राफेल, ईवीएम तथा डिजिटल इंडिया का विरोध किया और वे भारत की वैज्ञानिक प्रगति के साथ नहीं हैं।

प्रधान ने कहा, सीबीएसई ने कल ही जिम्मेदारी के साथ स्पष्ट किया कि यह कॉन्ट्रैक्ट केंद्र सरकार की खरीद नीति के तहत ही दिया है। अगर फिर भी कोई गड़बड़ी पाई गई, तो चाहे वह सीबीएसई के अंदर का हो या बाहर का, किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

अबतक 11 लाख स्कैन आंसर सीट देखी गईं

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि इस साल लगभग 18 लाख छात्रों ने Class 12 की परीक्षा दी। इसके तहत करीब 98 लाख उत्तर पुस्तिकाएं और लगभग 40 करोड़ स्कैन पेज प्रोसेस किए गए। अब तक करीब चार लाख छात्र पोर्टल के जरिए लगभग 11 लाख स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाएं देख चुके हैं।

शिक्षा मंत्री ने CBSE पोर्टल पर लॉगिन दिक्कतों, सर्वर पर ज्यादा लोड और पेमेंट से जुड़ी समस्याओं को लेकर IIT मद्रास के प्रोफेसरों और डिजिटल सिस्टम एक्सपर्ट्स की टेक्निकल टीम पोर्टल की स्थिरता, सर्वर क्षमता, लॉगिन मैनेजमेंट और पेमेंट गेटवे सिस्टम की समीक्षा की जिम्मेदारी दी है।

सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री पद छोड़ा, डीके शिवकुमार के नाम का किया प्रस्ताव

बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल की अनुपस्थिति में उनके सचिव को अपना इस्तीफा सौंपा है। इस्तीफा देने के बाद सिद्धारमैया भावुक नजर आए। उन्होंने कहा राज्यपाल शहर में मौजूद नहीं थे इसलिए उन्होंने इस्तीफा पत्र राज्यपाल के सचिव को सौंप दिया। मुझे पूरा विश्वास है कि राज्यपाल के लौटने के बाद मेरा इस्तीफा स्वीकार कर लिया जाएगा।

सिद्धारमैया ने इस्तीफा सौंपने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, उन्होंने पार्टी आलाकमान का निर्देश मिलते ही इस्तीफा दिया। उन्होंने कहा कि मैं पहले से ही कहता आ रहा था कि आलाकमान जब भी निर्देश देगा, मैं इस्तीफा दे दूंगा। उसी अनुसार निर्देश मिलने के बाद इस्तीफा सौंप दिया।

उन्होंने कहा, मैं गांव से आया हुआ व्यक्ति हूं। कभी नहीं सोचा था कि विधायक बनूंगा या मुख्यमंत्री बनूंगा। राजनीति में मेरा आना संयोग था। मेरे परिवार में कोई भी राजनीति में नहीं था। उन्होंने अपने वैचारिक सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए कहा, मैं बुद्ध, बसवन्ना, डॉ. आंबेडकर और महात्मा गांधी के आदर्शों में विश्वास रखने वाला व्यक्ति हूं। संविधान ही हमारा धर्म है, मैं ऐसा मानता हूं। कन्नड़ अभिनेता दिवंगत डॉ. राजकुमार का जिक्र करते हुए सिद्धारमैया ने कहा, राजकुमार अपने प्रशंसकों को भगवान कहते थे। मैं एक राजनेता हूं, मेरे लिए मतदाता ही भगवान हैं। कर्नाटक के 7 करोड़ लोगों की सेवा करने का अवसर मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने सोनिया गांधी व राहुल गांधी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, 'मुझे दो बार मुख्यमंत्री बनने और दो बार विपक्ष का नेता बनने का अवसर मिला। इसके लिए मैं कांग्रेस आलाकमान का आभारी हूं।' उन्होंने कहा कि साल 2006 में कांग्रेस में शामिल होने के बाद कार्यकर्ताओं, विधायकों और सांसदों ने उन्हें भरपूर प्यार और सहयोग दिया। उन्होंने कहा, 'साल 2013 से 2018 तक मैं पहली बार मुख्यमंत्री रहा। इसके बाद साल 2023 से अब तक फिर मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करने का अवसर मिला। मेरे साथ काम करने वाले सभी लोगों का मैं आभारी हूं।'

सिद्धारमैया ने साफ कर दिया कि संविधान पर हमला करने और सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ अपनी अंतिम सांस तक संघर्ष जारी रखूंगा। उन्होंने कहा कि वे पद छोड़ने के बाद भी राज्य की राजनीति में सक्रिय रहेंगे। उन्होंने कहा कि अगले मुख्यमंत्री के चयन का निर्णय आलाकमान करेगा। इससे पहले सिद्धारमैया ने गुरुवार को अपने मंत्रिमंडल के मंत्रियों के साथ अपने आवास पर ब्रेकफास्ट के साथ बैठक की थी।

नीट री-टेस्ट पेपर सेना-वायुसेना की मदद से एग्जाम सेंटर पहुंचेगा

नई दिल्ली

NEET-UC पेपर लीक विवाद के बीच 21 जून को होने वाले री-टेस्ट से पहले गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर हाईलेवल बैठक हुई। इसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक अभिषेक सिंह शामिल हुए। प्रधान ने यूपीएससी की तरह नीट पेपर के लिए सेना और वायुसेना की मदद मांगी। इसके लिए रक्षा मंत्रालय राजी हो गया है। बैठक में तय हुआ कि अब पेपर सेट करने, प्रिंटिंग, ट्रांसपोर्टेशन से लेकर परीक्षा केंद्रों तक पेपर पहुंचने का पूरा काम कई स्तर की निगरानी में होगा। बैठक के बाद प्रधान ने बताया कि री-टेस्ट के पेपर के परिवहन में वायुसेना मदद करेगी। पिछली परीक्षाओं में डाक विभाग, गृह मंत्रालय की प्रमुख भूमिका थी। इसमें हमने कुछ बदलाव किए हैं। NTA ने फीस रिफंड के लिए बैंक अकाउंट डिटेल्स देने की डेडलाइन 22 जून रात तक कर दी है। पहले यह डेडलाइन 27 मई थी। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्रीरी-टेस्ट की तैयारियों पर खुद नजर रख रहे हैं और परीक्षा प्रक्रिया से जुड़ी हर जानकारी उन्हें दी जा रही है।

सीबीएसई ने जिस कोएम्प्ट एजूटेक कंपनी को ओएसएम का कॉन्ट्रैक्ट दिया, वह पहले ग्लोबरेना नाम से विवादों में रही है। उसने तेलंगाना में 2019 और 2023 में बोर्ड परीक्षा से जुड़े घोटाले किए थे। तब 23 युवाओं ने आत्महत्या की थी।

दिल्ली-एमपी में बारिश, हरियाणा-उत्तराखंड में ओले गिरे

राजस्थान समेत 15 राज्यों में कल से गर्मी से राहत संभव

नई दिल्ली

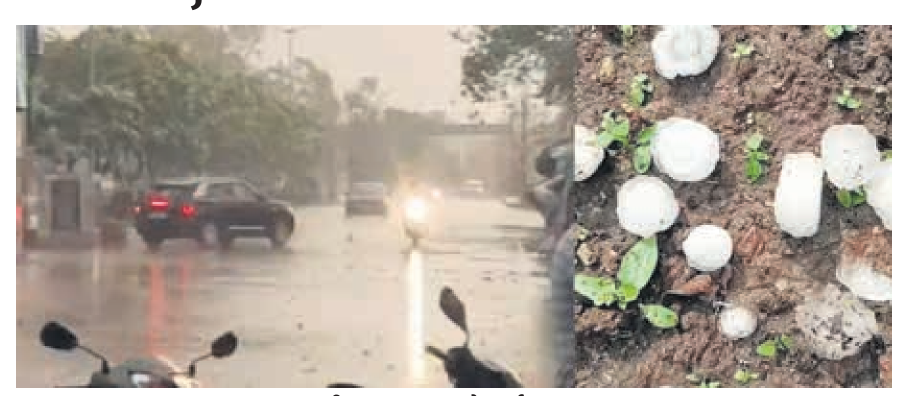

हरियाणा और दिल्ली-हृष्टक्र में गुरुवार शाम को तेज बारिश हुई है। हरियाणा के गुरुग्राम, रेवाड़ी और सिरसा समेत 8 जिलों में बारिश के साथ ओले भी गिरे। हरियाणा के फतेहाबाद में तेज आंधी के कारण मोबाइल टावर टूट कर लटक गया।

इसके अलावा मध्य प्रदेश के कुछ जिलों में बारिश हुई है। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में तेज आंधी से पेड़ उखड़कर कार पर गिरा। रायपुर में भी तेज आंधी चली और बारिश भी हुई है। पहाड़ी राज्य उत्तराखंड के पिथौरागढ़ और बागेश्वर में भी तेज बारिश हुई। पिथौरागढ़ में अंडे के साइज के ओले गिरे।

श्रीगंगानगर सबसे गर्म

प्रदेश में भीषण गर्मी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण सड़कें सूनी नजर आने लगी हैं और आमजन गर्मी से बेहाल है। एसी और कूलर भी राहत देने में नाकाम साबित हो रहे हैं। गुरुवार को प्रदेश के 11 शहरों का तापमान 44 डिग्री से अधिक दर्ज किया जबकि 6 शहरों का पारा 46 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया।

शायर बशीर बद्र का 91 साल की उम्र में निधन

भोपाल

उर्दू ग़ज़ल के शहंशाह डॉ. बशीर बद्र (96) नहीं रहे। त्याग और बलिदान के पर्व को उन्होंने

फानी दुनिया को अलविदा कहा। उर्दू अदब की रूह में समाए डॉ बशीर बद्र तक़रीबन 14 बरस से डिमेंशिया की गिरफ़्त में हैं, जिससे उनकी याददाश्त कमजोर होती चली गई, मगर उनके शेर आज भी दिलों में धड़कते हैं।

उनकी अहलिया, डॉ. राहत बद्र, जब उनके अशआर गुनगुनाती हैं, तो बशीर बद्र साहब के चेहरे पर शादाबी की हल्की सी झलक उभर आती है। कभी-कभी वे ख़ुद भी मिसरा पूरा करने लगते हैं। एक वक़्त था, जब उनके बिना मुशायरे अधूरे माने जाते थे। उनकी मौजूदगी महफ़िल की कामयाबी की ज़मानत हुआ करती थी।

बशीर बद्र (पूरा नाम सैयद मोहम्मद बशीर) उर्दू साहित्य के बेहद लोकप्रिय शायर थे। इनका जन्म 15 फरवरी 1935 को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में हुआ था। उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की थी और वहीं से पीएचडी पूरी की।

रेलवे अंडरपास बनाते समय मिट्टी ढही, 2 इंजीनियर की मौत

कोटा

कोटा में रेलवे अंडरपास के निर्माण के दौरान मिट्टी ढहने से 2 इंजीनियर की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

कनवास स्ष्ठरू बाबूलाल मीणा ने बताया- नेशनल हाईवे-52 पर दरा घाटी के पास रेलवे अंडरपास का काम चल रहा है। लेबर काम करके चली गई थी। मौके पर एलएनटी, जेसीबी मशीनें खड़ी थीं। दोनों इंजीनियर प्रभात सिंह झा और पंकज कुमार झा निरीक्षण कर रहे थे, तभी मिट्टी ढह गई और दोनों अधिकारी दब गए।

सूचना मिलने पर 10 मिनट में पुलिस मौके पर पहुंची। वहां एलएनटी, जेसीबी मशीनें से 10-15 मिनट की मशक्कत के बाद दोनों को मिट्टी से बाहर निकाल लिया गया, प्रभात झा की मौत हो गई थी, जबकि पंकज झा गंभीर रूप से घायल थे, पंकज को कोटा ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई।

कोटा-झालावाड़ नेशनल हाईवे-52 पर दरा घाटी में बार-बार लगने वाले जाम की समस्या के चलते 9.98 करोड़ रुपए की लागत से नया रेलवे अंडरब्रिज (आरयूबी) बनाया जा रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रयासों से केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने कंवलपुरा और दरा स्टेशन के बीच ब्रिज संख्या 148 के पास इस आरयूबी के लिए प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति दी थी।

ट्विशा केस- सीबीआई ने रिटायर्ड जज सास को गिरफ्तार किया

भोपाल

भोपाल के एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा मौत मामले में सीबीआई ने गुरुवार को सास और रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को गिरफ्तार कर लिया। ट्विशा की सास गिरिबाला सिंह को लेकर सीबीआई अधिकारी MANIT परिसर (मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी) पहुंचे। यहां मेडिकल बोर्ड को बुलाकर उनका चेकअप कराया गया। इसके बाद उन्हें भोपाल स्थित सीबीआई के ऑफिस ले जाया गया। गिरिबाला को शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। गिरिबाला पर सबूतों से छेड़छाड़ करने के आरोप हैं। इससे पहले सीबीआई टीम गुरुवार सुबह साढ़े 10 बजे गिरिबाला के घर पहुंची। करीब 7 घंटे तक पूछताछ करने के बाद शाम 5 बजकर 10 मिनट पर गिरिबाला सिंह गिरफ्तार किया गया।

इससे पहले बुधवार को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने गिरिबाला की अग्रिम जमानत रद्द कर दी थी। हाईकोर्ट ने देर रात 17 पन्नों का आदेश जारी किया। इसमें कहा- मामले की गंभीरता, सबूत और जांच की स्थिति को देखते हुए आरोपी पक्ष को राहत देना उचित नहीं था।

घुसपैठियों को अमित शाह की चेतावनी- अपने देश लौट जाओ

स्वेच्छा से लौट जाएं तो सख्त कार्रवाई नहीं होगी

गांधीनगर

अमित शाह ने गुरुवार को गांधीनगर में एक सभा को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल चुनावों के परिणामों का जिक्र किया और कहा- बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने महज सात दिनों में 600 हेक्टेयर जमीन बीएसएफ को सौंप दी है। हमारी सरकार का दृढ़ संकल्प है कि हर घुसपैठिए को देश से बाहर निकाला जाएगा।

उन्होंने कहा- पहले ममता बनर्जी के शासनकाल में हर दिन घुसपैठ होती थी, लेकिन अब घुसपैठिए खुद ही वापस लौटने लगे हैं। मैं घुसपैठियों से कहना चाहता हूं कि समय रहते खुद से अपने देश वापस लौट जाओ।

शाह ने बताया कि अगर लोग अपने आप वापस जाने में असफल रहते हैं, तो सरकार उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि हमारी मंशा सिर्फ लोगों को स्वदेश लौटाना है। ID पहचान अभियान शुरू होने से पहले कई लोग वापस चले जाएंगे, यह उम्मीद है।

गृहमंत्री ने कहा- पश्चिम बंगाल में नवगठित बीजेपी सरकार ने बांग्लादेश सीमा पर बाड़बंदी के काम को मजबूत करने के लिए सात दिनों के भीतर क्च्स्स्न को 600 हेक्टेयर भूमि सौंप दी है। बीजेपी ने राज्य में बॉर्डर पर बाड़ लगाने के काम में तेजी लाने के अपने चुनावी वादे को पूरा किया है।

उन्होंने कहा- हमने चुनाव प्रचार के दौरान वादा किया था कि यदि आप हमें सत्ता सौंपते हैं तो हम कुछ ही दिनों के भीतर बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम शुरू कर देंगे।

राज्य में BJP की सरकार आने के बाद से प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। केंद्र सरकार ने 26 मई को एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जिससे घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई में तेजी आई है। अब कई घुसपैठिए भारत छोड़ने पर मजबूर हो गए हैं।

अमित शाह ने सीमावर्ती जिलों के लिए 360 डिग्री सुरक्षा मॉडल का भी जिक्र किया। उन्होंने स्थानीय प्रशासन को निर्देश दिए कि अवैध निर्माणों को तुरंत तोड़ा जाए। इस तरह की कार्रवाई से घुसपैठियों पर कड़ी नजर रखी जाएगी और उन्हें भारत में रहने का कोई मौका नहीं मिलेगा।

इसके बाद अमित शाह ने अहमदाबाद में एसजी हाईवे पर स्थित सोला उमियाधाम परिसर में पाटीदार समुदाय के युवाओं के लिए नवनिर्मित जेएस पटेल कुमार हॉस्टल और तपस्विक कुमार पटेल गर्ल्स हॉस्टल का उद्घाटन किया।

करीब 43 लाख वर्ग फीट के इस कैंपस में ये हाईटेक हॉस्टल, उच्च शिक्षा के लिए आने वाले लगभग 1600 स्टूडेंट्स को पढ़ाई के साथ-साथ रहने खाने-पीने और खेलकूद की सुविधाएं प्रदान करेगा और यूपीएससी-जीपीएससी की तैयारी के लिए विश्व स्तरीय शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराएगा।

बोलेरो का टायर फटा, मां-बेटे समेत 4 की मौत

तेज रफ्तार गाड़ी पलटकर सड़क से 10 फीट नीचे गिरी

बालोतरा

बालतोरा जिले में टायर फटने से बोलेरो पलट गई। हादसे में मां-बेटे समेत चार लोगों की मौत हो गई। 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बोलेरो सवार अजमेर से जियारत करके बाड़मेर के चौहटन लौट रहे थे। हादसे की सूचना पर पचपदरा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने गाड़ी में फंसे घायल 7 लोगों को बालोतरा के नाहटा जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने 3 को मृत घोषित कर दिया। वहीं दो गंभीर घायल को जोधपुर रेफर कर दिया। जिनमें से एक की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं दो मरीजों का बालोतरा के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना पचपदरा थाना क्षेत्र के भाडियावास गांव के पास की गुरुवार शाम 4 बजे की है। पचपदरा थाना एएसआई अमराराम ने बताया- बाड़मेर जिले के चौहटन क्षेत्र के कोनरा विलायतशाह निवासी रहमत (52) पत्नी नूर मोहम्मद, अरशद (8) पुत्र नूर मोहम्मद, कादर खान (35) पुत्र इनायत, काजे खां, हबीब खान, रजाक खान और सवाई खान ईद के मौके पर अजमेर दरगाह में जियारत करने गए थे। वहां से लौटते समय बालोतरा के भाडियावास गांव के बाद बोलेरो का टायर फट गया। जिससे गाड़ी बेकाबू होकर पलट गई और सड़क से 10 फीट नीचे जा गिरी। बोलेरो कुल 8 लोग सवार थे।

हादसे में रहमत पत्नी नूर मोहम्मद, अरशद पुत्र नूर मोहम्मद और कादर खान पुत्र इनायत निवासी कोनरा विलायतशाह की मौत हो गई। वहीं काजे खां और हबीब खान को गंभीर हालत में जोधपुर रेफर कर दिया गया। जहां हबीब खान (45) की इलाज के दौरान मौत हो गई।

ममता ने सनातन को कहा था गंदा धर्म ? अब वकील ने कराया मामला दर्ज

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी की राजनीतिक और कानूनी मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। सिलीगुड़ी में एक स्थानीय वकील की शिकायत के आधार पर पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ गंभीर धाराओं में आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ममता बनर्जी ने पिछले साल कोलकाता के ऐतिहासिक रेड रोड पर आयोजित ईद-उल-फितर के एक कार्यक्रम के दौरान सनातन धर्म को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की थी, जिससे करोड़ों हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। इस शिकायत के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(1) (आपराधिक धमकी), धारा 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर किया गया अपमान) और धारा 353 (विभिन्न समुदायों के बीच दुश्मनी और नफरत को बढ़ावा देना) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यह मामला वकील रिंकी चटर्जी द्वारा दर्ज कराया गया है, जिन्होंने साल 2025 में ईद के मंच से दिए गए ममता बनर्जी के भाषण का हवाला दिया है। आरोप है कि उस कार्यक्रम के दौरान भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि वह उस गंदे धर्म को नहीं मानतीं जिसे विपक्षी दल ने जानबूझकर गढ़ा है। शिकायतकर्ता का कहना है कि एक सार्वजनिक और मुस्लिम धार्मिक सभा के मंच से इस तरह की टिप्पणी करना पूरी तरह से अनुचित है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि टीएमसी के कई वरिष्ठ नेताओं ने पिछले कुछ वर्षों में लगातार सनातन धर्म को निशाना बनाया है और वर्ष 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी हिंदू समुदाय को परोक्ष रूप से धमकी दी गई थी। इससे पहले विपक्षी दलों ने भी इस बयान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर इसकी तीखी आलोचना की थी और इसे बहुसंख्यक समाज की आस्था का अपमान बताया था।

इस कानूनी कार्रवाई और एफआईआर के बाद तृणमूल कांग्रेस रक्षात्मक मुद्रा में नजर आ रही है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस मामले को लेकर अब पार्टी के भीतर से ही विरोध के सुर उठने लगे हैं। टीएमसी की दार्जिलिंग इकाई के महासचिव और पेशे से वकील अत्री शर्मा ने व्यक्तिगत तौर पर एक बड़ा बयान देते हुए स्वीकार किया है कि जब पार्टी सत्ता में थी, तब भी संगठन के भीतर कई लोग इस प्रकार के बयानों के खिलाफ थे। उन्होंने कहा कि शीर्ष पद पर रहते हुए इस तरह की टिप्पणी करना वास्तव में अनुचित था और पार्टी के प्रति वफादार रहने वाले कार्यकर्ताओं ने भी कभी ऐसी विवादास्पद टिप्पणियों का समर्थन नहीं किया है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि देश के हर नागरिक को ऐसे मामलों में शिकायत दर्ज कराने का नैतिक अधिकार है। इस आंतरिक विरोध ने पूर्व मुख्यमंत्री की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

आसाराम की उम्रकैद बरकरार, हाईकोर्ट ने कहा– तत्काल सरेंडर करें

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में सजा काट रहे आसाराम को बड़ी राहत देने से इनकार करते हुए उनकी आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है। हालांकि, अदालत ने उन्हें गैंगरेप (सामूहिक दुष्कर्म) के आरोप से बरी कर दिया है, लेकिन अन्य गंभीर आरोपों में उनकी दोषसिद्धि और सजा को यथावत रखा गया है। इसके साथ ही वर्तमान में पैरोल पर बाहर चल रहे आसाराम को अदालत ने तुरंत सरेंडर करने का भी आदेश दिया है। यह अहम फैसला राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर पीठ में जस्टिस अरुण

मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की खंडपीठ ने सुनाया। कोर्ट ने आसाराम सहित तीन आरोपियों की ओर से दायर अपीलों पर सुनवाई पूरी करते हुए स्पष्ट किया कि नाबालिग पीड़िता से दुष्कर्म के मामले में निचली अदालत द्वारा सुनाई गई उम्रकैद की सजा में किसी भी प्रकार का बदलाव नहीं किया जाएगा। सुनवाई के दौरान अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर माना कि गैंगरेप की धारा के तहत दोष सिद्ध नहीं होता, इसलिए उन्हें उस विशेष आरोप से राहत दी गई, लेकिन अन्य सभी आरोप पर्याप्त रूप से साबित होते हैं। इसी वजह से उनकी मुख्य सजा बरकरार रहेगी। इस मामले के दो अन्य सह–आरोपियों, शिल्पी और शरतचंद को अदालत से आंशिक राहत मिली है। हाईकोर्ट ने उनकी अपीलों पर फैसला सुनाते हुए उनके खिलाफ दर्ज कुछ धाराओं में राहत प्रदान की है, जबकि शेष मामलों में निचली अदालत का आदेश यथावत रखा गया है। यह बहुचर्चित मामला वर्ष 2013 का है, जब जोधपुर स्थित आश्रम में एक नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में आसाराम के खिलाफमामला दर्ज किया गया था। पुलिस जांच और लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद, वर्ष 2018 में विशेष अदालत ने आसाराम को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इस फैसले को आसाराम की ओर से हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी, जहां से अब उनकी मुख्य सजा को बरकरार रखते हुए उन्हें वापस जेल भेजने का आदेश जारी किया गया है।

नीट–यूजी पेपर लीक मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार, अब तक 13 गिरफ्तार

-एजेंसी अब तक देशभर में 49 स्थानों पर चला चुकी है तलाशी अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई ने नीट–यूजी 2026 प्रश्नपत्र लीक मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अब तक इस मामले में गिरफ्तार लोगों की 13 हो गई है। सीबीआई के मुताबिक लातूर निवासी डॉक्टर मनोज शिरुरे को इस मामले में गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि उन्होंने कोचिंग सेंटर संचालक के बेटे समेत तीन छात्रों को आरोपी पी वी कुलकर्णी से रसायन विज्ञान का प्रश्नपत्र दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस मामले में गिरफ्तार दूसरे आरोपी की पहचान तेजस हर्षदकुमार शाह के रूप में हुई है। वह पुणे स्थित डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल अकादमी में भौतिकी के फैकल्टी सदस्य हैं। सीबीआई के मुताबिक उन्हें नीट–यूजी 2026 परीक्षा का लीक हुआ भौतिकी का प्रश्नपत्र पहले से गिरफ्तार आरोपी मनीषा हवलदार से मिला था। एजेंसी अब तक देशभर में 49 स्थानों पर तलाशी अभियान चला चुकी है। इस दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज, लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त सामग्री की विस्तृत जांच की जा रही है। सीबीआई ने यह मामला 12 मई को शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग की लिखित शिकायत के आधार पर दर्ज किया था। शिकायत में नीट–यूजी 2026 परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने की बात कही थी। सीबीआई के मुताबिक जांच में पता चला है कि परीक्षा से पहले रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और भौतिक विज्ञान के प्रश्नपत्र प्रसारित किए गए थे। एजेंसी अब प्रश्नपत्र लीक के असली स्रोत और पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी हुई है। सीबीआई ने कहा है कि वह इस मामले की व्यापक, निष्पक्ष और पेशेवर तरीके से जांच करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हिमाचल : पहाड़ दरकने से जाहलमा पुल टूटा, कार नदी में गिरी

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिले लाहौल–स्पीति के उदयपुर में बिन बरसात ही कुदरत का भारी कहर देखने को मिला है। सामरिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण तांदी–संसारी मार्ग पर लगातार हो रहे भूस्खलन (लैंडस्लाइड) के कारण आखिरकार ऐतिहासिक जाहलमा पुल टूट कर नदी में समा गया है। बीते तीन दिनों से इस पुल के एक छोर पर पहाड़ी से लगातार भारी चट्टानें गिर रही थीं, जिसके चलते अब पुल का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह धराशाई हो गया है। इस आपदा के कारण उदयपुर का लाहौल के मुख्य केंद्र केलांग और मनाली से संपर्क पूरी तरह कट गया है। जाहलमा पुल के टूटने से घाटी के लोगों की मुश्किलें बेहद बढ़ गई हैं। अब यदि स्थानीय निवासियों या पर्यटकों को मनाली या शेष हिमाचल के अन्य हिस्सों में जाना है, तो उन्हें पांगी घाटी होते हुए खतरनाक साच पास को पार कर चंबा के रास्ते सफर करना होगा। इस वैकल्पिक मार्ग से यात्रा करने में लोगों को करीब दो दिन का अतिरिक्त समय लगेगा। इसी बीच लाहौल की मूलिंग घाटी से भी एक और दर्दनाक हादसे की खबर आई है, जहां बीती रात करीब 10 बजे अचानक पहाड़ी दरक गई। इस लैंडस्लाइड की चपेट में आकर एक चलती कार अनियंत्रित होकर सीधे उफनती नदी में जा गिरी। हादसे के वक्त कार में केवल चालक ही सवार था। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों और मुस्तैद पुलिस बल ने तुरंत संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और कार सवार को सुरक्षित नदी से बाहर निकालकर केलांग अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि मूलिंग में आए दिन लैंडस्लाइड होता रहता है, जिससे हर वक्त लोगों की जान पर खतरा मंडराता रहता है। इससे पहले मंगलवार को भी मूलिंग में भारी चट्टानें गिरने से लेह–मनाली नेशनल हाईवे घंटों बंद रहा था।

पूर्व सीएम विजयन के घर रेड करने पहुंचे ईडी अफसरों पर पत्थरबाजी

-विजयन के साथ ही उनकी बेटी के आवास पर भी छापेमारी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। तिरुवनंतपुरम में केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के आवास से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के बाहर निकलने के दौरान भारी हंगामा देखने को मिला। कन्नूर में पूर्व सीएम विजयन के घर पर ईडी की छापेमारी खत्म होने के बाद जांच अधिकारी बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, तभी पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए ईडी अधिकारियों से सवाल पूछने लगे, जिससे गेट पर तनावपूर्ण माहौल बन गया। लेकिन स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को हस्तक्षेप करना पड़ा। काफी देर तक धक्का–मुक्की और अफरा–तफरी का माहौल बना रहा, इसके बाद सुरक्षाकर्मियों की मदद से अधिकारियों को बाहर निकाला गया। बात दें कि ईडी की कार्रवाई ने केरल की राजनीति में सियासी घमासान तेज किया है। सीपीआई(एम) के महासचिव एम.ए. बेबी ने मोदी सरकार और ईडी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई राजनीतिक मकसद से प्रेरित है और विपक्षी नेताओं को टारगेट किया जा रहा है। सीपीआई(एम) के महासचिव बेबी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी का हवाला देकर कहा कि ट्रायल कोर्ट ने उन्हें राहत दी। उन्होंने दावा किया कि ईडी अब एक स्वतंत्र एजेंसी के बजाय भाजपा सरकार की राजनीतिक मशीनरी बन गई है, जिसका इस्तेमाल विपक्ष की आवाज दबाने और राजनीतिक विरोधियों को डराने के लिए हो रहा है। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को केरल में कुल 10 ठिकानों पर छापेमारी की थी, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री विजयन और उनकी बेटी वीणा के आवास भी शामिल थे। यह कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़ी है, जिसमें विजयन की बेटी की कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस का नाम सामने आया है। यह मामला कोच्चि स्थित कोच्चि मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) से जुड़े कथित अवैध भुगतानों और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है। ईडी की छापेमारी का मुख्य आधार अप्रैल 2025 में सीरियस फ्रॉड इंवेस्टिगेशन ऑफिस (एसएफआईओ) द्वारा दायर चार्जशीट है। एसएफआईओ ने एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस पर आरोप लगाया है कि उसने 2018–19 से तीन वर्षों तक सीएमआरएल से बिना कोई सेवा दिए अवैध भुगतान प्राप्त हुए थे। 2017 में एक्सालॉजिक और सीएमआरएल के बीच सॉफ्टवेयर और मार्केटिंग सेवाओं के लिए अनुबंध हुआ था, लेकिन जांच में पाया गया कि निर्धारित सेवाएं प्रदान नहीं की गईं। इस कथित वित्तीय गड़बड़ी का खुलासा सबसे पहले 2019 में आयकर विभाग की सीएमआरएल परिसरों पर हुई छापेमारी के दौरान हुआ था, जिसकी रिपोर्ट में संदिग्ध भुगतानों का उल्लेख था। जनवरी 2024 में केंद्र ने एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस, सीएमआरएल और केरल राज्य औद्योगिक विकास निगम (केएसआईडीसी) से जुड़े वित्तीय अनियमितताओं की जांच के लिए एसएफआईओ को आदेश दिए थे।

भारत में इबोला ने दी दस्तक, युगांडा से बेंगलुरु आई महिला मिली पॉजिटिव

– प्रशासन अलर्ट, किया क्वारंटीन

बेंगलुरु (एजेंसी)। अफ्रीकी देशों में कहर ढाने वाले खतरनाक इबोला वायरस की आहट भारत में भी महसूस की जा रही है। युगांडा से भारत आई एक महिला में इबोला वायरस जैसे गंभीर लक्षण दिखाई देने के बाद उसे बेंगलुरु की एक मेडिकल फैसिलिटी में क्वारंटीन कर दिया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार, मृत्यु दर के मामले में यह वायरस कोरोना वायरस से कहीं ज्यादा खतरनाक है। संक्रमित मामलों में इस वायरस की मृत्यु दर 50 से 90 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, जिसके कारण इसे बेहद घातक माना जाता है। इससे पहले डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, युगांडा और दक्षिणी सूडान जैसे देशों में इस वायरस की वजह से 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और एक हजार से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं।

इबोला एक बेहद संक्रामक और जानलेवा वायरल बीमारी है, जिसके कारण मरीज को गंभीर रक्तस्राव (हेमोरेजिक बुखार) हो सकता है और शरीर के महत्वपूर्ण अंग तक खराब हो सकते हैं। यह वायरस किसी संक्रमित व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थों, जैसे खून, लार या पसीने के सीधे संपर्क में आने से फैलता है। वर्तमान में इसकी कोई पुख्ता दवा या टीका उपलब्ध नहीं होने के कारण यह संक्रमण अत्यधिक जानलेवा साबित होता है। कांगो में इसकी भयावह स्थिति को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पहले ही इसे अंतरराष्ट्रीय चिंता का स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर रखा है। कांगो के इटुरी प्रांत में हिंसक संघर्षों के कारण इस बीमारी की शुरुआती पहचान करना और मुश्किल हो गया है। बेंगलुरु में संदिग्ध मामला सामने आने के बाद भारत सरकार पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रभावित देशों की अनावश्यक यात्रा न करने की सलाह जारी की है। देश में सुरक्षा और तैयारियों की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठकें की गई हैं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने भी सभी एयरलाइंस के लिए एक सख्त स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) और गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत विमानन कंपनियों को उड़ान के दौरान आवश्यक घोषणाएं करने तथा प्रभावित देशों से आने वाले या वहां से ट्रांजिट करने वाले यात्रियों से अनिवार्य रूप से सेल्फ-डिक्लेरेशन फॉर्म भरवाने के निर्देश दिए गए हैं। देश के हवाई अड्डों और स्वास्थ्य केंद्रों पर निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि इस खतरनाक वायरस को भारत में फैलने से समय रहते रोका जा सके।

जुबीन गर्ग मौत मामला: कोर्ट ने 4 आरोपियों पर तय किए हत्या के आरोप

–अब दर्ज होंगे सभी गवाहों के बयान

गुवाहाटी(एजेंसी)। असमिया गायक जुबीन गर्ग की मौत के मामले में एक बड़ा मोड़ सामने आया है। गुवाहाटी की एक फास्ट-ट्रैक अदालत ने इस मामले में सात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में आरोप तय किए हैं, जिनमें से चार मुख्य आरोपियों पर सीधे तौर पर हत्या का आरोप लगाया गया है। यह न्यायिक कार्रवाई उस घटना के ठीक दो महीने बाद हुई है, जब सिंगापुर की एक अदालत ने जुबीन गर्ग की मौत को महज एक दुर्घटनावश डूबने का मामला करार दिया था और किसी भी तरह की आपराधिक साजिश से साफ इनकार कर दिया था। हालांकि, भारत में जिला और सत्र अदालत की जज शर्मिला भुयान की कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलों को विस्तार से सुनने और असम सीआईडी द्वारा गठित विशेष जांच दल की चार्जशीट का गहन परीक्षण करने के बाद भारतीय न्याय संहिता की 10 अलग-अलग धाराओं के तहत आरोप तय करने का फैसला सुनाया।

अदालत द्वारा तय किए गए इन आरोपों में सामान्य इरादा, आपराधिक साजिश, हत्या, गैर-इरादतन हत्या, जबरन वसूली, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और सबूत मिटाने से जुड़े बेहद गंभीर कानूनी प्रावधान शामिल हैं। इस बड़े फैसले के बाद अब इस हाई-प्रोफाइल मामले की पूरी कानूनी सुनवाई का रास्ता साफ हो गया है। मामले में सबसे गंभीर आरोप भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत हत्या का है, जो चार प्रमुख आरोपियों–सिद्धार्थ शर्मा, श्याम काणु महंता, शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृत प्रवा महंता पर लगाया गया है।

न्यायालय के दस्तावेजों के अनुसार, इन चारों मुख्य आरोपियों पर संयुक्त रूप से अपराध करने, आपराधिक साजिश रचने और हत्या की धाराओं के तहत मामला चलेगा। इसके अलावा, श्याम काणु महंता पर जबरन वसूली (धारा 308(2)), धोखाधड़ी व बेईमानी से प्रेरित करने (धारा 318(4)) और सबूत गायब करने (धारा 238) के अतिरिक्त आरोप भी लगाए गए हैं। वहीं, सिद्धार्थ शर्मा और शेखर ज्योति गोस्वामी पर अतिरिक्त रूप से विश्वासघात की धारा 316(5) लगाई गई है, जबकि अमृत प्रवा महंता पर भी धारा 238 के तहत सबूत मिटाने का आरोप दर्ज किया गया है।

इस मामले के अन्य आरोपियों में दिवंगत गायक जुबीन गर्ग के चचेरे भाई और पूर्व असम पुलिस अधिकारी संदीपन गर्ग शामिल हैं, जिन पर धारा 105 (गैर-इरादतन हत्या) के तहत आरोप तय किए गए हैं। इसके साथ ही, गायक के दो पर्सनल सिक्योरिटी गार्ड्स–परेश बैश्य और नंदेश्वर बोरा पर धारा 61(2) और 316(5) के तहत आरोप लगाए गए हैं। इस संबंध में पब्लिक प्रॉसिक्यूटर का कहना है कि अब ट्रायल के दौरान अदालत में हर एक धारा की प्रासंगिकता और घटना में प्रत्येक आरोपी की वास्तविक भूमिका की गहनता से जांच की जाएगी। गौरतलब है कि मशहूर गायक जुबीन गर्ग की मौत पिछले साल 19 सितंबर को सिंगापुर में लाजारस आइलैंड के पास एक निजी यॉट ट्रिप के दौरान रहस्यमयी परिस्थितियों में हुई थी। इस दुखद घटना के बाद पूरे असम में शोक की लहर दौड़ गई थी और उनकी मौत की परिस्थितियों को लेकर भारी विवाद खड़ा हो गया था। सार्वजनिक आक्रोश और संदेह को देखते हुए असम सरकार ने मामले की गहराई से जांच के लिए तत्काल एक एसआईटी का गठन किया था। खुद मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सार्वजनिक रूप से इस घटना को साफ-साफ हत्या करार देते हुए उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए थे, जिसके बाद अब कोर्ट ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाया है।

खड़गे का महंगाई पर तीखा वार~मोदी सरकार की प्रायोजित मंहगाई से जनता के पसीने छूट रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने देश में बढ़ती महंगाई और ईंधन की आसमान छूती कीमतों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र पर हमला बोला है। उन्होंने अपनी भड़ास निकालते हुए लिखा, भाजपा प्रायोजित महंगाई की आग से आम जनता के पसीने छूट रहे हैं। अपनी सरकार की बेहिसाब लूट पर भी कभी कुछ बोलिए, पीएम मोदी जी? उनके बयान को केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों और विशेषकर पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों पर एक सीधा राजनीतिक प्रहार बताया जा रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे का बयान तब आया है, जब देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें कई चरणों में लगातार बढ़ रही हैं। कांग्रेस का आरोप रहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में अपेक्षाकृत स्थिरता के बावजूद, आम जनता को ईंधन की कीमतों में कोई राहत नहीं दी जा रही है। बल्कि, मोदी सरकार ईंधन पर भारी टैक्स लगाकर जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रही है, इस को कांग्रेस फ्यूल लूट का नाम दे रही है। पार्टी नेताओं ने हाल के दिनों में ÷फ्यूल लूट÷ और ÷महंगाई÷ को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ अपना मोर्चा तेज किया है। कांग्रेस नेता खड़गे का पोस्ट सिर्फ पेट्रोल-डीजल की कीमतों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा इशारा रसोई, परिवहन व्यवस्था, कृषि क्षेत्र और छोटे कारोबार पर पड़ने वाले व्यापक असर की ओर है। कांग्रेस का कहना है कि ईंधन महंगा होने से माल ढुलाई की लागत बढ़ती है, जिससे हर जरूरी वस्तु की कीमत में इजाफा होता है। इस बढ़ोतरी का अंतिम बोझ अंततः आम उपभोक्ता पर पड़ता है, जिससे उसकी जेब और तंग होती जाती है। यह मुद्दा अब भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक टकराव का बड़ा केंद्र बिंदु बनता जा रहा है। जहां कांग्रेस इस फेल नीति को जनता की कमाई पर सीधा हमला बताकर मोदी सरकार को घेर रही है, वहीं सत्ताधारी भाजपा विपक्ष पर गैर-जरूरी मुद्दों पर राजनीति करने का आरोप लगा रही है। इस तरह, बढ़ती महंगाई और ईंधन की कीमतें आने वाले दिनों में भी राजनीतिक बहस का गरमागरम विषय बनी रहेंगी, खासकर जब देश में चुनावी माहौल बना हुआ है।

सीएम सुक्खू की दो टूक कहा– वो करें तो पुण्य हम करें तो पाप

–पंचायत चुनाव पर हो रही सियासत

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में जारी पंचायत चुनावों के बीच राजनीतिक बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप का दौर बेहद तेज हो गया है। राज्य की कांग्रेस सरकार पर भाजपा द्वारा लगाए गए आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोपों, मुख्य सचिव की नियुक्ति और पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के मुद्दों पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कड़ा रुख अपनाते हुए विपक्ष पर जोरदार पलटवार किया है। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर दोहरे मापदंड अपनाने का सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष की कथनी और करनी में हमेशा से ही बड़ा अंतर रहा है। वे करें तो पुण्य हम करें तो पाप। संजय गुप्ता को कार्यवाहक मुख्य सचिव से नियमित मुख्य सचिव बनाए जाने के प्रशासनिक फैसले पर भी मुख्यमंत्री ने विपक्ष को आड़े हाथों लिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा की सोच अब आप करें तो पुण्य और हम करें तो पाप जैसी हो गई है। प्रशासनिक नियुक्तियां पूरी तरह से मौजूदा सरकार का अधिकार क्षेत्र हैं और हर रूटीन फैसले को राजनीतिक रंग देना कतई उचित नहीं है। इसके अलावा, पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर भी मुख्यमंत्री ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने याद दिलाया कि जब विधानसभा में अनाथों और विधवाओं के कल्याण के लिए सेस (उपकर) बढ़ाने का मुद्दा आया था, तब भाजपा ने उसका पुरजोर विरोध किया था, लेकिन आज वही भाजपा केंद्र सरकार द्वारा बढ़ाई गई तेल

की कीमतों पर पूरी तरह मौन है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केवल 11 दिनों के भीतर पेट्रोल-डीजल के दाम करीब 7 रुपये तक बढ़ा दिए गए, जिससे आम जनता पर भारी आर्थिक बोझ पड़ा है। दूसरी तरफ, व्यापारियों को राहत देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार इंस्पेक्टर राज को पूरी तरह खत्म करने की दिशा में काम कर रही है और अब दुकानदार अपनी इच्छा से 24 घंटे दुकानें खोल सकते हैं, बशर्ते श्रमिकों को उनका उचित मेहनताना मिले। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने पंचायत चुनाव के पहले चरण में जनता की भारी भागीदारी पर गहरा संतोष व्यक्त किया। कैबिनेट बैठक को लेकर विपक्ष के घेराव पर मुख्यमंत्री ने साफ किया कि पंचायत चुनावों के दौरान कैबिनेट बैठकें होना कोई नई बात नहीं है। उन्होंने प्रदेश के राजनीतिक इतिहास और पूर्व की सरकारों का उदाहरण देते हुए कहा कि वीरभद्र सिंह, प्रेम कुमार धूमल और जय राम ठाकुर के कार्यकाल में भी चुनावी माहौल के दौरान कैबिनेट बैठकों का आयोजन होता रहा है। ऐसे में भाजपा का मौजूदा विरोध केवल सस्ती राजनीतिक बयानबाजी के अलावा और कुछ नहीं है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि हाल ही में आयोजित कैबिनेट बैठक में आम जनता से जुड़े बेहद महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल थे, जिन पर बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के लिए समय पर निर्णय लेना अनिवार्य था। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि आदर्श आचार संहिता का सम्मान करते हुए इस बैठक की आधिकारिक प्रेस ब्रीफिंग चुनाव परिणाम आने के अगले दिन यानी 1 जून को ही की जाएगी।

यमुना का पानी अरावली पहाड़ी तक पहुंचाने सरकार बना रही खास प्लान

–प्रस्ताव मुख्य सचिव को भेजा, मंजूरी मिलते ही योजना को मिलेगी गति

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी सरकार मानसून में यमुना नदी के बढ़े हुए जल स्तर का सदुपयोग करना चाहती है, इसलिए एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार कर रही है। इसके तहत यमुना का पानी अरावली पहाड़ी तक पहुंचाया जाएगा। इसका उद्देश्य पहाड़ी क्षेत्र में जल संकट को कम करना और भूजल स्तर को बढ़ाना है। सिंचाई विभाग ने इस योजना के लिए अध्ययन कर लिया है। प्रस्ताव सिंचाई विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के पास भेजा गया है। उन्होंने सकारात्मक रुख अपनाया है। अब प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद योजना को गति मिलेगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सिंचाई विभाग की ओर से इस परियोजना पर काम किया जाएगा। ददसिया गांव के पास से नदी बहती है। यहीं से तिलपत फायरिंग रेंज होते हुए बढ़े हुए जल स्तर को पाइपों के जरिए आगे ले जाया जाएगा। यह पाइप लाइन बुढ़िया नाले के किनारे से होते हुए हाईवे को पार करेगी और अनंगपुर गांव के पास पहाड़ी तक ले जाई जाएगी। इस पाइप लाइन से प्रतिदिन 300 क्यूसेक पानी जाएगा। मानूसन के तीन महीने में नदी में खूब पानी होता है। इसलिए 90 दिन तक तय कृत्रिम तालाबों को भरा जाएगा। इन तालाबों का पानी साफ कर आसपास के सेक्टर, कालोनी, सोसायटी व गांव तक पहुंचाया जाएगा। इस परियोजना की लागत करीब 500 करोड़ आंकी गई है। यदि यह योजना परवान चढ़ती है तो आने वाले 50 साल तक गुरुग्राम को भी लाभ पहुंचेगा। इस योजना से आसपास के गांव के भूजल स्तर पर भी सकारात्मक असर पड़ने की उम्मीद है। साथ ही आसपास के इलाकों को भरपूर पेयजल भी मिलता रहेगा। भूजल स्तर के मामले में फरीदाबाद डार्क जोन में है। यमुना नदी किनारे भी 80 से 100 फुट पर जल स्तर है। पहाड़ी इलाकों में तो यह जल स्तर 600 से 700 फुट तक है। हालात चिंताजनक हैं। इसलिए सरकार भूजल स्तर बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। इसके तहत नदी के पानी को अरावली तक ले जाने की तैयारी है।

साइबर अपराध नियंत्रण को और सुदृढ़ बनाने की पहल

मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास पहुंचे पुलिस मुख्यालय, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 और आरवाइसी की व्यवस्थाओं को परखा

स्मार्ट हलचल | जयपुर

मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास गुरुवार को पुलिस मुख्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने साइबर अपराध नियंत्रण एवं साइबर हेल्पलाइन 1930 की कार्यप्रणाली को लेकर उच्चस्तरीय बैठक ली। इस दौरान पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कुमार शर्मा ने मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास और अतिरिक्त मुख्य सचिव(गृह) श्री भास्कर ए.सावंत का स्वागत किया।

बैठक में साइबर अपराधों की समीक्षा

मुख्य सचिव ने राजकीय अवकाश के दिन ढाई घंटे से अधिक समय देकर साइबर क्राइम सेल की संरचना एवं कार्यविधि तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की और अधिकारियों को महत्वपूर्ण सुझाव दिए। साथ ही राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन भी प्रदान किया। मुख्य सचिव ने साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 के संचालन, कॉल रिस्पॉन्स सिस्टम एवं साइबर अपराधों की जांच प्रक्रिया की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हेल्पलाइन 1930 को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाया जाए तथा इसके लिए अगले 30 दिनों में विस्तृत पॉलिसी प्लान के इम्प्लीमेंटेशन का लक्ष्य निर्धारित कर कार्यवाही की जावे।

मुख्य सचिव ने साइबर क्राइम हेल्पलाइन पर सुनी समस्याएं

इस दौरान मुख्य सचिव ने पुलिस मुख्यालय में सायबर अपराधों के लिए स्थापित साइबर क्राइम हेल्पलाइन का भी निरीक्षण किया और कई लाइव कॉल्स को सुना। उन्होंने देखा कि किस प्रकार साइबर अपराधों की शिकायतें दर्ज हो रही हैं तथा एफआईआर और जांच की प्रक्रिया किस तरह आगे बढ़ रही है। एडीजी (साइबर क्राइम) श्री वीके सिंह ने कॉल सेंटर की कार्यप्रणाली और शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। मुख्य सचिव ने कहा कि साइबर अपराधों की रोकथाम और त्वरित कार्रवाई के लिए तकनीकी क्षमता एवं समन्वय को और मजबूत करना आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि राजस्थान साइबर क्राइम एंड ऑपरेशन सेंटर को शीघ्र पूर्ण रूप से ऑपरेशनल किया जाए। इसके साथ ही मौजूदा कॉल सेंटर सिस्टम में आवश्यक सुधार किए जाएं ताकि शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया और तेज एवं प्रभावी हो सके।

बैठक में दिए कई महत्वपूर्ण निर्देश

साइबर अपराध के प्रत्येक पीड़ित को तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर कॉल सुविधा उपलब्ध हो, इसके लिए उपलब्ध टेलीफोन लाइनों एवं कॉल ऑपरेटरों की संख्या आगामी 15 जून तक बढ़ाई जाएगी। साइबर अपराध रिपोर्टिंग एवं शिकायत निवारण की गुणवत्ता सुधार के लिए मासिक रिपोर्ट प्रकाशित की जाएगी। प्रदेश के साइबर थानों को प्रतिदिन अपनी उपलब्धियों एवं कार्रवाई की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से आमजन तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक का उपयोग कर साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं जनोपयोगी बनाया जाएगा।

इस मौके पर मुख्य सचिव ने बताया कि प्रदेश के 41 साइबर सुरक्षा पुलिस स्टेशनों के बेहतर प्रदर्शन के लिए मासिक समीक्षा व्यवस्था विकसित की जाएगी तथा संबंधित अधिकारियों के साथ विशेष कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा साइबर अपराध रिपोर्ट होने और संबंधित बैंक खातों को ब्लॉक करने के बीच लगने वाले समय का भी गहन विश्लेषण किया जाएगा ताकि पीड़ितों को त्वरित राहत मिल सके। मुख्य सचिव ने विश्वास जताया कि अगले 30 दिनों में साइबर अपराध नियंत्रण व्यव-स्था में सकारात्मक और प्रभावी परिणाम देखने को मिलेंगे। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह श्री भास्कर ए. सावंत, पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कुमार शर्मा, एडीजी साइबर क्राइम श्री वीके सिंह, एडीजी श्री भूपेंद्र साहू, डीआईजी श्री शांतनु सिंह, एसपी श्री सुमित मेहरड़ा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

यह नजारा अलसुबह का नहीं, बल्कि गुरुवार दोपहर 2:00 बजे कैद किया गया है जो रेलवे स्टेशन की ओर से गोलप्याऊ चौराहे जाने वाले मार्ग का है जहां सन्नाटा पसरा हुआ है।

जिला अस्पताल परिसर में बागरिया समाज के दो गुटों में खूनी भिड़ंत

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। जिला अस्पताल परिसर में गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब बागरिया समाज के दो गुट परिसर में स्थित पार्क के बाहर आपस में भिड़ गए। मामूली कहासुनी देखते ही देखते हिंसक संघर्ष में बदल गई और दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों व पत्थरों से हमला कर दिया। घटना से अस्पताल परिसर में मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। मिली जानकारी के अनुसार दोनों पक्ष अस्पताल में भर्ती एक परिचित की कुशलक्षेम पूछने आए थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ और देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया। सूचना मिलते ही भीमगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में लिया। पुलिस ने मौके से भीमा पुत्र गोवर्धन बागरिया एवं राजू पुत्र गोवर्धन बागरिया निवासी पोटला थाना गंगापुर को हिरासत में लेकर शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया है।पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

रीना गुर्जर बनी महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष, युवाओं ने किया सम्मान

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा द्वारा रीना गुर्जर को महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर जिले के युवाओं ने उनका स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर नवीन कुमावत के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में सिर्फ गुर्जर समाज ही नहीं, बल्कि अन्य समाज के लोगों ने भी हर्ष व्यक्त किया।

नव नियुक्त जिला अध्यक्ष रीना गुर्जर ने अपने उद्बोधन में कहा कि वे पूर्व में विद्यार्थी परिषद् से गर्ल्स कॉलेज की छात्रसंघ सचिव रह चुकी हैं और खुद को विद्यार्थी परिषद् का उत्पाद मानती हैं।

इस अवसर पर एबीवीपी के पूर्व जिला संयोजक सावन दिया, अमित सोनी, दीपक वैष्णव, शिव सिंह, निकिता मीणा, मनीष कंडारा, नंदनी कंवर चोहान, देवराज शर्मा, अंजलि राणावत, आयुष जोशी, अंकित पुरोहित सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम में युवाओं ने रीना गुर्जर को फूल माला पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बनास नदी में अवैध बजरी खनन करते ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त, चालक मौके से हुआ फरार

स्मार्ट हलचल

मंगरोप। थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन के खिलाफ मंगलवार देर रात बड़ी कार्रवाई करते हुए खाती खेड़ा क्षेत्र में बनास नदी से अवैध रूप से बजरी परिवहन करते एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया।कार्रवाई थाना प्रभारी विजय मीणा के नेतृत्व में देर रात गश्त के दौरान की गई।पुलिस की कार्रवाई से अवैध खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया।जानकारी के अनुसार मंगरोप थाना पुलिस क्षेत्र में रात्रिकालीन गश्त कर रही थी।इसी दौरान खाती खेड़ा के समीप बनास नदी क्षेत्र में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली संदिग्ध अवस्था में बजरी भरते एवं परिवहन करते दिखाई दी।पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो चालक पुलिस को देखकर ट्रैक्टर-ट्रॉली मौके पर ही छोड़ अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।पुलिस ने मौके से अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर थाना परिसर में सुरक्षित खड़ा करवाया।मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।साथ ही कार्रवाई की सूचना माइनिंग विभाग को भी दे दी गई है ताकि नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जा सके।थाना प्रभारी विजय मीणा ने बताया कि क्षेत्र में अवैध बजरी खनन एवं परिवहन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और किसी भी स्थिति में अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने कहा कि अवैध खनन में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।गौरतलब है कि बनास नदी क्षेत्र में लंबे समय से अवैध बजरी खनन की शिकायतें मिल रही थीं।पुलिस की इस कार्रवाई को अवैध खनन पर अंकुश लगाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

लाडपुरा भागवत कथा के पांचवें दिन गोवर्धन की पूजा कर मांगी खुशहाली

स्मार्ट हलचल | शिव जांगिड़

लाडपुरा। कस्बे के सामुदायिक भवन परिसर में ग्रामवासी द्वारा श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन गुरुवार को राकेश मिश्रा महाराज के सानिध्य में महिलाओं ने गोवर्धन की पूजा की। श्रद्धालुओं की ओर से प्रभुजन्म पर समर्पित छप्पनभोग का प्रसाद वितरित हुआ। श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस में कथाव्यास राकेश मिश्रा जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की मनोहारी बाल लीलाओं का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया। कथा श्रवण करते हुए समस्त श्रद्धालु भक्तिभाव में सराबोर हो गए। महाराज श्री ने पूतना उद्धार, शकटासुर एवं तृणावर्त उद्धार तथा भगवान श्रीकृष्ण के नामकरण संस्कार की दिव्य लीलाओं का सुंदर वर्णन किया।

कथा के मध्य महाराज श्री ने भक्तों को जीवन का गूढ़ संदेश देते हुए कहा कि 'राम करे सो करिए और कृष्ण कहें सो करिए।' अर्थात भगवान श्रीराम ने अपने जीवन में जो आदर्श प्रस्तुत किए, उन्हें अपने आचरण में उतारना चाहिए तथा भगवान श्रीकृष्ण ने गीता एवं अपनी लीलाओं के माध्यम से जो उपदेश दिए हैं, उनका पालन करना चाहिए।

कथा विश्राम के अवसर पर भगवान गोवर्धन की दिव्य झांकी सजाई गई तथा श्रद्धा भाव से विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। साथ ही भगवान श्रीकृष्ण को छप्पन भोग अर्पित किया गया, जिसका दर्शन कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। संपूर्ण पांडाल भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान रहा। भीषण गर्मी के बावजूद कथा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और बड़ी संख्या में भक्तों ने उपस्थित होकर कथा एवं भक्ति रस का आनंद प्राप्त किया।

आयोजकों ने बताया कि यह सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा प्रतिदिन सामुदायिक भवन परिसर में प्रातः 10:15 बजे से दोपहर 1:15 बजे तक आयोजित की जा रही है। सात दिवसीय भागवत कथा का 30 मई को समापन होगा।

गंगापुर में ईद-उल-अजहा मनाया

स्मार्ट हलचल | गंगापुर

समर्पण और अकीदत का मुकद्दस त्योहार ईद-उल-अजहा बकरीद गुरुवार को गंगापुर शहर सहित आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक हर्षोल्लास और अकीदत के साथ मनाया गया। अंजुमन कमेटी के अनुसार ईद-उल-अजहा की मुख्य नमाज गुरुवार सुबह 8 :15 बजे बारी दरवाजा स्थित मुख्य ईदगाह में अदा की गई। मुस्लिम समुदाय की ओर से गुरुवार को ईद-उल-अजहा बकरीद पूरे अदब, एहतराम और पारम्परिक धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह ईदगाह में नमाज अदा कर देश के लिए अमन चैन की दुआ मांगी गई। समाजजन ने एक दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दी। मौलाना की शाही सवारी कस्बे के मुख्य मार्गों से निकाली गई।

वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान में विद्यार्थियों ने निभाई सक्रिय भूमिका

स्मार्ट हलचल

बिजयनगर। राजस्थान सरकार द्वारा संचालित 'वंदे गंगा जल संरक्षण जल अभियान' के अंतर्गत नगर पालिका बिजयनगर एवं जलदाय विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। यह अभियान 25 मई 2026 गंगा दशहरा से प्रारंभ होकर 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस तक चलेगा।

अभियान के तहत बिजयनगर के पीपली चौराहा, रेलवे स्टेशन, केकड़ी रोड बस स्टैंड एवं बिजयनगर बस स्टैंड सहित प्रमुख स्थानों पर आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस दौरान स्काउट गाइड, एनएसएस एवं एनसीसी के छात्र-छात्राओं द्वारा सार्वजनिक स्थलों पर पीएचईडी विभाग के सहयोग से पानी एवं शरबत वितरण कर सेवा कार्य किया गया।

अभियान के अंतर्गत गांव एवं शहरों में प्रभात फेरियां, जल चौपाल, संगोष्ठियां एवं श्रमदान कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जल संरक्षण के वैज्ञानिक एवं पारंपरिक तरीकों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय बिजयनगर की राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी कल्पना सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जल संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर पर एनएसएस प्रभारी कल्पना सिंह, स्काउट गाइड प्रभारी देंउ भील, स्काउट गाइड सचिव पूजा शर्मा, रामपाल, जलदाय विभाग के सहायक अभियंता एवं विभागीय कार्मिकों ने अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

अजमेर हत्याकांडः 'कार हादसा' निकली सोची-समझी साजिश, पूर्व सरपंच की पहली पत्नी और बच्चे ही निकले कातिल!

स्मार्ट हलचल | अजमेर

पुलिस ने बोराड़ा थाना क्षेत्र के श्रीरामपुरा गांव के बहुचर्चित चौहरे हत्याकांड का सनसनीखेज पर्दाफाश कर दिया है। जिसे शुरुआत में एक दर्दनाक सड़क हादसा माना जा रहा था, वह असल में रोंगटे खड़े कर देने वाली पारिवारिक हत्या निकली। पुलिस ने इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने के आरोप में पूर्व सरपंच रामसिंह चौधरी की पहली पत्नी और उनके नाबालिग बेटे-बेटी को हिरासत में ले लिया है।

मृतकों की पहचान

इस रूह कंपा देने वाली वारदात में एक ही परिवार के चार लोगों की बेरहमी से हत्या की गईः रामसिंह चौधरी (45 वर्ष): पूर्व सरपंच, पूसी देवी (79 वर्ष): रामसिंह की मां (पूर्व सरपंच), सुरज्ञान देवीः रामसिंह की दूसरी पत्नी, महिमाः भांजी/ममेरी बहन

वारदात का खौफनाक तरीकाः कैसे दिया गया अंजाम?

आरोपियों ने हत्या को हादसे का रूप देने के लिए एक बेहद खौफनाक और शातिर योजना बनाई थी। गला रेतकर हत्याः रात के अंधेरे में घर के अंदर ही खेत में इस्तेमाल होने वाले धारदार औजार से चारों पीड़ितों का बेरहमी से गला रेत दिया गया।

स्कॉर्पियो में जलाने का षड्यंत्रः हत्या के बाद चारों शवों को रामसिंह की ही स्कॉर्पियो गाड़ी में डाला गया।

ट्रैक्टर से निकाला डीजलः सबूत मिटाने और आग लगाने के लिए आरोपियों ने घर में खड़े ट्रैक्टर से डीजल निकाला।

हादसे का रूप दियाः नाबालिग बेटा गाड़ी को चलाकर घर से करीब 500 मीटर दूर ले गया। वहां उसने डीजल छिड़ककर गाड़ी में आग लगा दी, ताकि पुलिस और लोगों को यह एक कार एक्सीडेंट लगे।

रोने का झूठा ड्रामाः गाड़ी को आग के हवाले करने के बाद बेटा वापस घर लौट आया और अपनी मां-बहन के साथ मिलकर अनजान बनते हुए रोने-धोने का नाटक करने लगा, ताकि किसी को उन पर शक न हो।

हत्या की असली वजहः पिता के जुल्मों से नफरत

क्यों रची गई यह साजिश?

पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी नाबालिग बेटा अपने पिता रामसिंह से बेहद नफरत करता था। पिता अक्सर पहली पत्नी (सुनीता) के साथ मारपीट करता था और उन्हें प्रताड़ित करते हुए मुर्गा बनाता था। इसके अलावा, रामसिंह की दूसरी शादी के बाद से ही घर में संपत्ति और अन्य बातों को लेकर भारी कलह चल रही थी। अपनी मां पर हो रहे जुल्मों का बदला लेने और पारिवारिक कलह से तंग आकर बच्चों ने मां के साथ मिलकर यह खौफनाक कदम उठाया।

पुलिस की पैनी नजर और पर्दाफाश

शुरुआत में यह घटना कार में आग लगने से हुआ हादसा लग रही थी। लेकिन अजमेर एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देशन में पुलिस ने इस मामले की वैज्ञानिक और तकनीकी रूप से गहन जांच की। घटनास्थल के हालात और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों ने पुलिस का शक परिवार के ही सदस्यों पर डाल दिया। जब पुलिस ने पहली पत्नी और बच्चों को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की, तो वे ज्यादा देर तक अपना झूठ नहीं छिपा सके और पुलिस के सामने टूट गए। आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है, जिसके बाद अजमेर पुलिस ने इस दिल दहला देने वाली वारदात का आधिकारिक रूप से पर्दाफाश कर दिया।

पारिवारिक हिंसा, संपत्ति विवाद और आपसी कलह ने एक पूरे परिवार को खत्म कर दिया। अजमेर पुलिस की त्वरित कार्रवाई और सटीक जांच से यह स्पष्ट हो गया कि अपराधी चाहे कितनी भी शातिर चाल चले, कानून के हाथों से बच नहीं सकता।

भटेड़ा की पूनम ने एनएमएमएस परीक्षा में गाड़े सफलता के झंडे

180 में से 121 अंक लाकर सामान्य वर्ग की मेरिट से हुआ चयन

स्मार्ट हलचल | भटेड़ा

निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान (बीकानेर) द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित राष्ट्रीय साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति परीक्षा-2026 में बनेड़ा ब्लॉक के एक छोटे से गांव भटेड़ा की होनहार बेटी ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, भटेड़ा की होनहार छात्रा पूनम बलाई ने इस कठिन राज्य स्तरीय परीक्षा को पास कर पूरे भीलवाड़ा जिले का नाम रोशन किया है। प्रतिभा के दम पर सामान्य श्रेणी (R) में बनाई जगह शिक्षा विभाग द्वारा जारी आधिकारिक परीक्षा परिणाम के अनुसार, पूनम बलाई पुत्री परमेश्वर बलाई ने परीक्षा में कुल 180 अंकों में से 121 अंक का उत्कृष्ट स्कोर खड़ा किया है। सबसे बड़ी बात यह है कि अनुसूचित जाति वर्ग से आने के बावजूद पूनम ने अपने शानदार अंकों के दम पर सामान्य वर्ग की मुख्य मेरिट सूची में अपना चयन पक्का किया है।

ग्रामीण अंचल और सरकारी स्कूल में जश्न का माहौल - एक साधारण ग्रामीण परिवेश और सरकारी स्कूल से निकलकर राज्य स्तर की इस स्कॉलरशिप परीक्षा में बाजी मारना क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। परिणाम जारी होने के बाद से ही भटेड़ा गांव में खुशी की लहर दौड़ पड़ी और पूनम के घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।विद्यालय प्रशासन और स्थानीय शिक्षाविदों ने छात्रा पूनम और उनके पिता परमेश्वर बलाई को बधाई दी। शिक्षकों ने कहा कि सीमित संसाधनों के बीच पूनम ने जो सफलता हासिल की है, वह क्षेत्र के अन्य सरकारी स्कूलों के छात्र-छात्राओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा बनेगी।

भारत की सबसे खूबसूरत वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन का तीसरे संस्करण के लिए रजिस्ट्रेशन 1 जून से

6 सितंबर को होने वाली एआईएमएस प्रमाणित इस दौड में 21, 10 और 5 किलोमीटर श्रेणियों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय धावक होगें शामिल

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। विश्व की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड जिंक उत्पादक कंपनी हिन्दुस्तान ज़िंक लिमिटेड ने वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन के तीसरे संस्करण की घोषणा की। यह मैराथन 6 सितंबर 2026 को उदयपुर, राज-स्थान में आयोजित होगी। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा एनी बॉडी कैन रन के सहयोग से आयोजित यह दौड अपने दूसरे संस्करण की शानदार सफलता के बाद, यह मैराथन पूरे भारत के प्रतिभागियों को फतेह सागर झील और अरावली पहाड़ियों के खूबसूरत नजारों के बीच एक अविस्मरणीय दौड़ का अनुभव करने के लिए आमंत्रित करती है। इस दौड की विशेषता यह है कि फतेह सागर झील और अरावली पहाड़ियों के बीच होगी जो कि प्रतिभागियों के लिए सुप्रससिद्ध फतेह सागर झील और अरावली पहाड़ियों के मार्ग का यादगार अनुभव होगा। उल्लेखनीय है कि दूसरे संस्करण में वैश्विक और 27 राज्यों के भारतीय एलीट धावकों और शौकिया धावकों सहित 7,000 से अधिक प्रतिभागियों ने इसमें हिस्सा लिया था। वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन में दौड़ने वालों के लिए हाफ मैराथन 21 किलोमीटर, कूल रन 10 किमी, ड्रीम रन 5 किमी और रेस विद चैंपियंस शामिल होगी, जिसमें विशेष रूप से सक्षम बच्चे भी भाग लेंगे। वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन को एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल मैराथन एंड डिस्टेंस रेस द्वारा आधिकारिक तौर पर प्रमाणित किया गया है, जिससे इसे एक लिस्टेड अंतर्राष्ट्रीय आयोजन के रूप में वैश्विक पहचान मिली है। यह मैराथन सभी के लिए है और उदयपुर को दुनिया के रनिंग मैप पर एक उभरते हुए शहर के रूप में स्थापित करती है। इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागी 1 जून से पंजीकरण कर सकते है। भारत की सबसे खूबसूरत मैराथन के रूप

में, यह मार्ग धावकों को उदयपुर के लुभावने परिदृश्य से होकर फतेह सागर झील के शांत विस्तार से लेकर अरावली पर्वतमाला के सुरम्य दृश्यों तक ले जाएगा, प्रतिभागी हर कदम पर शहर की समृद्ध विरासत और प्राकृतिक सुंदरता का अनुभव करेंगे, जिससे यह मैराथन सिर्फ एक दौड़ से कहीं बढ़कर भारत की विश्व प्रसिद्ध स्थानों में से एक की यात्रा बनेगी। प्रतिभागियों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए, एनीबडी कैन रन द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की जाएंगी। पूरे मार्ग पर रणनीतिक रूप से हाइड्रेशन स्टेशन होंगे, जो आवश्यक जलपान प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त, अनुभवी फिजियोथेरेपिस्ट और डॉक्टरों द्वारा चिकित्सा स्टेशन और आराम करने के स्थान भी उपलब्ध होंगे। पिछले दो वर्षों में वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन केवल एक खेल आयोजन से आगे बढ़कर, समुदाय.आधारित फिटनेस, नागरिक गौरव और उद्देश्य. पूर्ण भागीदारी के उत्सव के रूप में विकसित हुई है। मैराथन ने उदयपुर की पहचान को रनिंग वेलनेस और स्पोर्ट्स टूरिज्म के एक डेस्टिनेशन के तौर पर मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। साथ ही नागरिकों और आने वाले लोगों को शहर के अनोखे कल्चर, प्रकृति और विरासत के मेल का अनुभव करने के लिए भी प्रोत्साहित किया है। वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन आधिकारिक तौर पर 1 जून 2026 से उदयपुर मैराथन और हिंदुस्तान जिंक के सोशल मीडिया पेज और वेबसाइट के जरिए शुरू होंगे और तब तक खुले रहेंगे जब तक सभी स्लॉट भर नहीं जाते। एक वर्चुअल रन का विकल्प भी होगा जिससे प्रतिभागी दुनिया में कहीं से भी इसमें शामिल हो सकेंगे। इस अनुभव को और भी खास बनाने के लिए, प्रतिभागियों को हिंदुस्तान जिंक की खदानों से प्रेरित एक खास जिंक फिनिशर मेडल दिया जाएगा, जो जिंक सिटी की भावना का प्रतीक होगा।

पूरे भारत और विदेशों से धावकों के इसमें शामिल होने की उम्मीद है। जो अब देश के सबसे अधिक इंतजार किए जाने वाले कम्युनिटी स्पोर्ट्स इवेंट्स में से एक बन गया है। वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन जैसी पहलों के जरिए हिंदुस्तान जिंक कम्युनिटी के विकास बुनियादी स्तर पर खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन और सक्रिय जीवनशैली के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को लगातार मजबूत कर रहा है। कंपनी ने लगातार खेल इकोसिस्टम बनाने में निवेश किया है। इसके लिए उसने जिंक फुटबॉल एकेडमी जमीनी स्तर पर फुटबॉल विकास कार्यक्रम और समुदाय आधारित खेल मंचों जैसी पहलें शुरू की हैं जो युवाओं के विकास, समावेश और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देती हैं।

प्राचीन बावड़ियों में फैली गंदगी, सरकार के अभियान को ठेंगा

स्मार्ट हलचल | लाखेरी

कस्बे में स्थित प्राचीन कुंड, बावड़ियों की हालात ख़राब है, कहीं तो कचरा जमा है, काई जमी हुई है, कचरे के ढेर लगे हुए हैं, जिसके कारण बदबू फैली रहती है। राज-स्थान सरकार द्वारा वंदे जल संरक्षण अभियान चलाया जा रहा है, परन्तु उसका असर शहर में नहीं दिख रहा है। बस स्टैंड समीप सीनियर सेकेंडरी स्कूल के पास बावड़ी जो गणेश मंदिर में स्थित है, उसमें लोगों द्वारा कचरा डाल दिया जाता है, जिससे भयंकर दुर्गंध आती है, बावड़ी के पानी में काई जमी हुई है। बावड़ी के समीप मंदिर एवं स्कूल होने से श्रृद्धालुओं को परेशानी उठानी पड़ रही है, इसके साथ ही बीमारियां फैलने की आशंका रहती है। युवा मोर्चा मंत्री लक्की शर्मा ने अधिशाषी अधिकारी को ज्ञापन लिखकर समस्या के समाधान की मांग की।

मेज नदी पुलिया से नीचे गिरा ट्रक, बड़ा हादसा टला

स्मार्ट हलचल | बूंदी

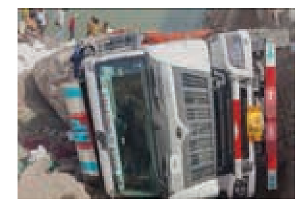

जिले के लाखेरी क्षेत्र में आज मेज नदी पुलिया पर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। प्लास्टिक दाने की बोरियों से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पुलिया से नीचे जा गिरा। हादसे के दौरान ट्रक नदी के पानी में गिरने से बाल-बाल बच गया, इस दौरान ट्रक की चपेट में आई एक कार में सवार लोग भी सुरक्षित बच निकले। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार ट्रक चालक सड़क किनारे स्थित ढाबे पर पानी पीने के लिए उतरा था। इसी दौरान सड़क पर ढलान होने के कारण ट्रक अचानक पीछे की ओर चलने लगा। देखते ही देखते ट्रक करीब 200 मीटर तक बेक होता चला गया। इस दौरान पीछे आ रही एक कार उसकी चपेट में आ गई। कार को टक्कर मारने के बाद ट्रक अनियंत्रित होकर पुलिया के नीचे गिर गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन इस घटना ने ढलान वाले मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था और वाहन चालकों की सतर्कता को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा बेहद भयावह था और कुछ पल के लिए मौके पर चीख-पुकार मच गई। गनीमत रही कि ट्रक पुलिया से नीचे गिरने के बावजूद नदी के गहरे पानी तक नहीं पहुंचा, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। लेकिन ट्रक में भरी प्लास्टिक दाने की बोरियां चारो ओर बिखर गई।

45 किलो अवैध डोडा पोस्त के साथ जोधपुर का शातिर तस्कर गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह के निर्देशानुसार ब्यावर जिला स्पेशल टीम (छ्रस) और साकेतनगर थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ एक बड़ी संयुक्त कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने नाकेबंदी के दौरान एक कार से 45.150 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त जब्त कर एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है। तस्करी में इस्तेमाल की जा रही सफेद रंग की स्विफ्ट कार को भी पुलिस ने मौके पर ही जब्त कर लिया।

पुलिस को देख बैक करने लगा कार, हुई दुर्घटनाग्रस्तः

जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह ने बताया कि 27 मई 2026 को जिला स्पेशल टीम को मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली थी कि जवाजा की तरफ से आ रही एक सफेद स्विफ्ट कार में भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ भरा हुआ है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए डीएसटी और साकेतनगर थानाधिकारी की संयुक्त टीम ने जिरो पुलिस के पास नाकेबंदी शुरू की।

नाकेबंदी के दौरान जब संदिग्ध स्विफ्ट कार वहां पहुंची, तो पुलिस जाब्ते को देखकर चालक ने पकड़े जाने के डर से कार को तेज गति से वापस (बैक) घुमाने का प्रयास किया। इस हड़बड़ाहट में तस्कर की कार अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इसके बाद तस्कर ने कार छोड़कर पैदल भागने की कोशिश की, लेकिन मुस्तैद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। जब कार की डिक्की की तलाशी ली गई, तो उसमें से 45.150 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ।

जोधपुर का रहने वाला है आरोपी, पुराना आपराधिक रिकॉर्ड

पकड़े गए तस्कर की पहचान सुमेर (28) पुत्र रामेश्वर बिश्नोई, निवासी रामड़ावास, पुलिस थाना कापरड़ा (जिला जोधपुर ग्रामीण) के रूप में हुई है। पुलिस अनुसंधान में सामने आया कि आरोपी शातिर किस्म का अपराधी है। इसके खिलाफ पूर्व में भी चित्तौड़गढ़ के चंदेरिया थाने में एनडीपीएस एक्ट, इसके अलावा पीपाड़ सिटी और डांगियावास थाने में पोक्सो एक्ट, आर्म्स एक्ट और मारपीट के गंभीर मामले दर्ज हैं।

सुपरविजन और टीमः यह पूरी कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उज्जैनिया एवं वृताधिकारी श्री राजेश कसाना के निकट सुपरविजन में की गई। टीम में साकेतनगर थानाधिकारी गणपतराम (उ.नि.), डीएसटी प्रभारी विजयसिंह (उ.नि.) सहित हेड कांस्टेबल भवानी सिंह, गणपतराम, महेश कुमार और कांस्टेबल मांगीलाल, सुरेन्द्र सिंह, अशोक सिंह आदि शामिल रहे।

निशुल्क मेहंदी एवं पेंटिंग शिविर का भव्य समापन समारोह सम्पन्न

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन एवं भारत विकास परिषद मीरा शाखा द्वारा विगत एक माह से स्थानीय गणेश मंदिर परिसर में संचालित निशुल्क मेहंदी एवं पेंटिंग प्रशिक्षण शिविर का आज भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। संगठन सचिव सुधा फलेट ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद एवं भारत माता की तस्वीर पर माल्यार्पण तथा मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत वंदे मातरम् गीत प्रस्तुत किया गया, जिससे पूरा वातावरण देशभक्ति से सराबोर हो गया।

समारोह की मुख्य अतिथि आर टी एम से श्रीमती नीतू सिंह रहीं। बच्चों द्वारा अतिथियों के स्वागत में स्वागत गीत पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुति दी गई, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती नीतू सिंह का माला एवं पटका पहनाकर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। एक माह तक चले इस शिविर में बच्चों एवं बालिकाओं को मेहंदी कला एवं पेंटिंग का निशुल्क प्रशिक्षण दिया गया। समापन अवसर पर प्रतिभागियों की मेहंदी एवं पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं आकर्षक उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी बच्चों के लिए ठंडे एवं शीतल पेय की विशेष व्यवस्था भी की गई। संस्था अध्यक्षा श्री मति मालती अग्रवाल ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविरों का उद्देश्य बच्चों एवं युवतियों में छिपी रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें कला के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। संस्था अध्यक्षा श्रीमती मालती अग्रवाल द्वारा शिवर संचालिका श्री मति सरोज गुप्ता को भेंट स्वरूप उपहार दे कर आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक, महिलाएं एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों, एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सचिन रजनी क्षोत्रिय, कोषाध्यक्ष राजेश बिरला, लता मूंदड़ा, वंदना लड़ा, परमजीत कौर, अंशीता वरदानी, मीता आहूजा, गरिमा जैन, इशिका आहूजा, कविता आहूजा, सोनी माधवानी, प्रीति सोनी, मनीषा शर्मा, अंजु जयसवाल, सुमन चतुर्वेदी, रेखा चतुर्वेदी, शकुन रावत, सीता खंडेलवाल, मनोरमा अग्रवाल, आशा काग्या, रूपी मुटरेजा आदि सदस्य उपस्थित रहे।

'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' का शंखनादः श्री जोगणिया माता जी में श्रमदान के साथ हुई भव्य शुरुआत

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के महाअभियान के तहत देवस्थान विभाग के निर्देशों पर चमकेगा परिक्षेत्र; सूर्यकुंड तालाब और गायत्री मंदिर परिसर में की गई साफ़-सफाई

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा/बेगूं। राज्य सरकार के देवस्थान विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार सुप्रसिद्ध धार्मिक स्थल श्री जोगणिया माता जी परिक्षेत्र में 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' का भव्य शंखनाद हो गया है। श्री जोगणिया माता शक्तिपीठ प्रबंध एवं विकास संस्थान (ग्राम धारला, बेगूं) के तत्वावधान में संस्थान के पदाधिकारियों, कर्मचारियों, धर्मप्रेमी भक्तों और आमजन ने मिलकर भारी संख्या में श्रमदान किया और जलस्त्रोतों को सहेजने का संकल्प लिया।

संस्थान के अध्यक्ष श्री सत्यनारायण जोशी ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा शुरू किए गए इस महत्वाकांक्षी महाअभियान को राज्य सरकार ने केवल एक सरकारी कार्यक्रम तक सीमित न रखकर इसे जनभागीदारी का एक बड़ा आंदोलन बनाने का लक्ष्य रखा है। इस अभियान के तहत धार्मिक संगठनों, ग्राम पंचायतों और स्वयंसेवी संस्थाओं (हरहह्य) को एक मंच पर लाया जा रहा है, ताकि प्रदेश भर के पारंपरिक जलस्त्रोतों, तालाबों, ऐतिहासिक बावड़ियों और नहरों की साफ़-सफाई जन-श्रमदान के जरिए हो सके और आमजन में जल संरक्षण को लेकर एक सकारात्मक संदेश जाए।

सूर्यकुंड तालाब और गायत्री मंदिर परिसर में हुआ श्रमदानः

अभियान के पहले दिन संस्थान से जुड़े प्रबुद्धजनों और श्रद्धालुओं ने माता जी परिक्षेत्र में स्थित संस्थान के मुख्य जलस्त्रोत 'सूर्यकुंड तालाब/एनिकट' तथा गायत्री मंदिर परिसर के आस-पास के क्षेत्रों में सघन सफाई अभियान चलाकर श्रमदान किया। अध्यक्ष श्री जोशी ने बताया कि संस्थान द्वारा जल संरक्षण और स्वच्छता के कार्य निरंतर करवाए जाते हैं और सरकार द्वारा जनहित में दिए गए हर सेवा कार्यो को अमलीजामा पहनाने में संस्थान सदैव अग्रणी भूमिका निभाता है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से इस जल संरक्षण अभियान से निरंतर जुड़ने की अपील की है।

किसानों को दी वैज्ञानिक क़ृषि तकनीकी की जानकारी

स्मार्ट हलचल

राजपुरा ।राज्यपाल स्मार्ट विलेज पायरी मै संतुलित उर्वरक उपयोग पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम के तहत असंस्थागत प्रशिक्षन मे किसानो को दी वैज्ञानिक क़ृषि तकनीकी की जानकारी कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा विशेष जागरूकता अभियान के तहत उर्वरको का संतुलित उपयोग पर असंस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन किया। कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा व वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. रतन लाल सोलंकी ने नव युवक किसानों को खेती की तकनीकी जानकारी देते हुए बताया कि किसानो को मिटटी के स्वास्थ्य और घटती उर्वरता पर चिंता जताते हुए संतुलित उर्वरक उपयोग अपनाने पर जोर दिया। वर्तमान में रासायनिक उर्वरको जैसे यूरिया और डीएपी का अधिक तथा असंतुलित उपयोग से मिट्टी की उत्पादन क्षमता कम हुई है, जिसका मुख्य कारण पोषक तत्वों का असंतुलन उपयोग मुख्य कारण बन रहा है। इससे न केवल मिट्टी की दीर्घकालीन उर्वरता प्रभावित हो रही है, बल्कि उर्वरकों की उपयोग दक्षता भी घट रही है, तथा किसानो के खेतो की मिटटी की सेहत भी खराब एवं उत्पादन लागत बढ़ रही है। तथा जिससे किसानो की फसलो के उत्पादन पर भी विपरित प्रभाव पड़ रहा है। केंद्र के कार्यक्रम सहायक संजय कुमार धाकड़ ने किसानों को अपने खेत की मिटटी जांच करवारकर (मृदा स्वास्थ्य कार्ड) मिटटी परीक्षण आधारित उर्वरक उपयोग अपनाने और फसल की आवश्यकता के अनुसार संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन के आधार पर फसलो में संतुलित खाद प्रयोग करने की सलाह दी, किसानो को कम्पोस्ट, वर्मी कम्पोस्ट एवं अन्य जैविक खाद का अधिक उपयोग करने एवं प्राकृतिक खेती को भी अपनाने का किसानो से आव्हान किया। कृषि विभाग द्वारा दिये जाने वाले अनुदान एवं योजनाओ के बारे में बताया साथ ही फसलो एवं फलदार वृक्षों की बेहतर पैदावार के लिए उर्वरको के संतुलित उपयोग को आवश्यक बताया ने किसानो को विभिन्न जीवाणु खाद-एजोक्टोबेक्टर, राइजोबियम, पी.एस. बी. कल्चर को चीज उपचारित करने का तरीका बताया। धाकड़ ने कहा खेती में अधिक उत्पादन लेना है तो फसल चक्र अपनाना चाइये और हरी खाद के उपयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई, जिससे मिटटी की गुणवत्ता बनी रहे। प्रशिक्षण में नाबार्ड बाड़ी प्रोजेक्ट के विकाश चौहान, लाल सिंह, लाल सिंह मीणा और 35 कृषक एवं कृषक महिलाओ ने भाग लिया।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार की मौत, बालक सहित दो घायल

चित्तौड़गढ़। जिले के भदेसर थाना क्षेत्र के उदयपुर मार्ग पर गुरुवार रात्रि पिकअप की टक्कर से सांवलियाजी दर्शन के लिए जा रहे बाइक सवार युवक की मौत हो गई और एक बालक सहित दो व्यक्ति घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार बारां जिले के भटवाड़ा निवासी देवीशंकर (35) पुत्र रामदयाल माली, उसका मित्र लोकेन्द्र (35) पुत्र बाबूलाल माली और उसका भांजा मध्यप्रदेश निवासी अभिषेक (9) पुत्र रामहरी माली बुधवार रात्रि मोटरसाइकिल से सांवलियाजी दर्शन करने जा रहे थे। इसी दौरान गुरुवार सुबह बानसेन के समीप पीछे से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने उन्हे टक्कर मार दी, जिससे तीनों गंभीर रुप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने तीनों को एम्बुलेंस की सहायता से जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने देवी शंकर को मृत घोषित कर दिया।

गंगापुर में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल 6 दिन बाद समाप्त, सफाई कर्मचारी लौटे काम पर

नगर पालिका प्रशासन ने ली चैन की सांस, जनसमस्याओं को लेकर गंगापुर कस्बा रहा बंद

स्मार्ट हलचल | गंगापुर

6 दिन से चल रहे सफाईकर्मियों और पालिका प्रशासन के बीच विवाद के बाद आखिरकार गुरुवार के दिन समझौता हो गया, वाल्मीकि समाज से तीन जमादार नियुक्त, सफाईकर्मियों को एक समय में पूर्व की भांति सफाई करने पर सहमति बन गई, कार्य बहिष्कार के दौरान किसी भी कार्मिक पर पालिका प्रशासन को कार्यवाही नहीं करेगा। गंगापुर सफाई कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त हो गई और सफाई कर्मचारी काम पर लौट आए।

इनके बीच हुई वार्ता

सफाई कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष भीलवाड़ा रामदेव चन्नाल, जिले के पदाधिकारी शिव प्रकाश गवारी, राजेश मल्होत्रा व अधिशासी अधिकारी पंकज कुमार मंगल के बीच वार्ता हुई सफल।

तीन नए जमादार नियुक्त

सोनू हरिजन, सीताराम हरिजन, हीरालाल हरिजन तीनों को नए जमादार नियुक्त किया गया। 6 दिन से गंगापुर कस्बे में चल रही हड़ताल समाप्त हुई, कस्बे चरमरा रही सफाई व्यवस्था पर लगा विराम। गंगापुर कस्बे में 6 दिन के बाद सफाई कर्मचारियों द्वारा सफाई कार्य शुरू किया गया।

गंगापुर कस्बे में बंद रहा सफल

वही गंगापुर कस्बे में गुरुवार के दिन बाजार बंद रहे, नगर कांग्रेस कमेटी ने कस्बे में जुलूस निकाला साथ ही जगह-जगह कचरा साफ किया गंगापुर नगर पालिका के मुख्य द्वार के बाहर कचरा जलाकर प्रदर्शन किया । अधिशासी अधिकारी पंकज कुमार मंगल को ज्ञापन दिया । दुकान खोलकर बैठे व्यापारियों को गुलाब का फूल देकर बंद करने की अपील की गई। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। गंगापुर कस्बे में सुबह से व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखें। गंगापुर कस्बे की जन समस्याओं को लेकर गंगापुर कस्बे में नगर कांग्रेस कमेटी व संयुक्त व्यापार संघ द्वारा गंगापुर बंद का आह्वान किया गया था जो पूर्ण रूप से सफल रहा।

बाजार में पसरा सन्नाटा, व्यापारियों ने दी चेतावनी

गंगापुर कस्बे में लगातार बिगड़ती सफाई व्यवस्था, सड़कों पर फैली गंदगी और नालियों में जमा कीचड़ के विरोध में गुरुवार को गंगापुर पूरी तरह बंद रहा। संयुक्त व्यापार संघ गंगापुर व नगर कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर शहर के अधिकांश बाजारों में व्यापारियों ने स्वेच्छा से अपने प्रतिष्ठान बंद रखे और नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ जमकर आक्रोश व्यक्त किया। बंद के कारण मुख्य बाजारों में सुबह से ही सन्नाटा पसरा नजर आया, जिससे आम लोगों को चाय-पानी और रोजमर्रा की चीजों के लिए भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। व्यापारियों ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सफाई व्यवस्था को दुरुस्त नहीं किया गया, तो आगामी दिनों में इससे भी बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

1 किलो 950 ग्राम अवैध अफीम व स्कूटी जब्त, दो गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़। जिले की मण्डफिया थाना पुलिस ने ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 1 किलो 950 ग्राम अवैध अफीम एवं तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि थानाधिकारी रविन्द्र सेन के नेतृत्व मे बुधवार को मय जाप्ता मण्डफिया थाना क्षेत्र के केसरखेडी स्कूल के पास दोपहर तीन बजे बावर्दी एवं सादा वस्त्र में नाकाबन्दी के दौरान अमरपुरा गाँव की तरफ से सफेद रंग की स्कूटी पर चालक व उसके पीछे एक व्यक्ति और बैठा हुआ आता दिखाई दिया। स्कूटी चालक व उसका साथी पुलिस नाकाबंदी से पहले थोडी दूरी पर स्कूटी को रोककर अमरपुरा की तरफ वापस घुमाने का प्रयास करने लगे, जिनको थानाधिकारी रविन्द्र सेन ने मय जाप्ता रोककर दोनो को डिटेन किया। स्कूटी की तलाशी लेने पर सीट के नीचे एक पारदर्शी रंग की प्लास्टिक की थैली अवैध अफीम मिली। जिसका वजन 01 किलो 950 ग्राम मय बारदान के होना पाया गया। अवैध अफीम परिवहन में प्रयुक्त वाहन सफेद टीवीएस कम्पनी की जूपीटर स्कूटी को अफीम सहित जब्त कर गोपाल पिता भगवान लाल जाट (27) निवासी केसर खेडी थाना मण्डफिया व प्रकाश पिता माधुलाल जाट (37) निवासी घोडाखेडा थाना मण्डफिया को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया। कार्यवाही करने वाली टीम में थानाधिकारी रविन्द्र सेन के साथ एएसआई विश्राम, कांस्टेबल कुलदीप, महेन्द्र, विजेश, मुकेश, गजराज एवं नारायण लाल शामिल रहे। प्रकरण में अग्रिम अनुसांधान किया जा रहा है।

भाजपा सरकार के सहकारिता मंत्री की पुलिस को 3 मिनिट में 17 गालियां

खाकी को दी माँ बहन की गलियां, कहा तेरी पत्नी को सुला दे 20 हजार दे देंगे

स्मार्ट हलचल|ओम जैन

शंभूपुरा। भाजपा की डबल इंजन सरकार में सीएम भजनलाल शर्मा के मंत्री विधायक अपने स्तर से कितने गिर सकते हैं यह तो हाल ही में सहकारिता मंत्री गौतम दक की वायरल ऑडियो ही बता रही है।

बात कर रहे हैं राजस्थान सरकार के सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक द्वारा एक कांस्टेबल को 3 मिनट में धनाधन दी गई 17 गालियों की। सोशल मीडिया पर सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक का एक ऑडियो तेजी से वाइरल हो रहा है जिसमें वो डुंगला थाने के कांस्टेबल को अपनी पार्टी के कार्यकर्ता का काम नहीं करने, कार्यकर्ता के लट्ठ बजाने और एक कार्यकर्ता की गाड़ी के पास जाने या चेक करने की वजह से धनाधन गालियाँ देते नजर आ रहे हैं और ऑन ड्यूटी पुलिसकर्मियों को उसका इलाज करने तक की भी धमकी दे रहे हैं। एक नेता का अपनी पार्टी के कार्यकर्ता के प्रति ये प्यार देखकर काफी अच्छा लगता है पर दूसरी तरफ सरकार के जिम्मेदार पद पर होने के नाते एक अधिकारी से इस तरह की भाषा में बात करना कही से कही तक शोभनीय नहीं हैं।

बड़ी सादड़ी के डूंगला थाना के पुलिसकर्मियों से सहकारिता मंत्री गौतम दक की बातचीत का ऑडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस बातचीत में मंत्री बात कम कर रहे हैं और गालियां ज्यादा दे रहे हैं। ओर वो भी ऐसी भद्दी गालियां जो सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हैं, जबकि खुद मंत्री दक जैन समाज से आते है जहाँ अहिंसा परमो धर्म के सिद्धांत पर चलने का मार्ग बताया जाता है लेकिन वायरल ऑडियो से तो लग रहा मंत्री दक राजनीति के नशे में समाज ओर समाज का बताया मार्ग तक भूल गए। सहकारिता मंत्री की ऐसी भाषा चौंकाती भी है और शर्मिंदा भी करती है। मंत्री को ऐतराज है कि कांस्टेबलों ने उनके कार्यकर्ता को धमका कर वसूली की, लिहाजा मंत्री का गुस्सा जायज है, लेकिन थानेदार के सामने पुलिसकर्मियों को मंत्री की गालियों वाली भाषा पर भी ऐतराज जरूरी है। वे राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हैं, उन्हें यह शोभा नहीं देता।

दरअसल मंत्री दक सोमवार को डूंगला थाने पहुंचे थे। एसएचओ शैतान सिंह, कांस्टेबल लक्ष्मीनारायण और विष्णु को बाहर बुलाया। दक

ने एसएचओ व कांस्टेबलों से बातचीत की शुरुआत ही गालियों से की। वे हर वाक्य से पहले गालियां देते रहे। 3 मिनट की रिकॉर्डिंग में 17 गालियां देकर अपने नाम बेशमी का नया रिकॉर्ड बना बैठे, जिससे स्वयं के पद के साथ साथ उन्होंने जैन समाज ओर भाजपा तक कि साख को दांव पर लगा दिया। वे कार्यकर्ता के यहां पुलिस के पहुंचने से खफा थे। आरोप लगाया कि पुलिसकर्मी ने उससे पैसे मांगे। मंत्री इतनी गालियां निकालते रहे कि तीनों को बोलने का मौका ही नहीं दिया। इस बातचीत को वहां खड़े किसी व्यक्ति ने रिकॉर्ड कर लिया, जिसके वायरल होते ही अब भाजपा की साख पर भी सवाल उठ रहे कि क्या मंत्री दक भाजपा की रीतिनीति को भी भूल गए, या फिर उन्हें समाज और पद एव खाकी की मर्यादा का भी भान नही रहा।

एफएसएल जांच की उठने लगी मांग

जैसे ही मंत्री दक का यह ऑडियो वायरल हुआ तो मामले से बचने के लिए मंत्री ने हर तरफ स्टेटमेंट जारी कर दिया कि ऑडियो में सुनाई दे रही आवाज मेरी नही है, जबकि पूरी ऑडियो साफ साफ पूरे मामले का खुलासा कर रही है, अब उनके इस स्टेटमेंट के बाद कोंग्रेस पार्टी के साथ साथ उन्ही की पार्टी के दर्जनों कार्यकर्ता और जैन समाज से भी कही लोग इस ऑडियो कि एफएसएल जांच की मांग कर रहे है ताकि दूध का दूध ओर पानी का पानी हो सके।

मंत्री ने वर्दी को किया किया शर्मसार, विभाग में भी जबरदस्त आक्रोश

जिले में पिछली सरकार में विधूड़ी एव एसएचओ गुर्जर मामले के बाद दूसरा ऐसा मामला यह सामने आया जिसने शर्म ओर मर्यादा की सारी हदें लांग दी जिससे यह मामला ना सिर्फ अब जिलेभर में बल्कि पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बन गया, साथ ही जनता में अब यह संदेश भी चला गया कि जनता सत्ता बदल सकती है लेकिन नेताओ की फिदरत नही। दूसरी ओर पुलिस को माँ बहन तक कि गन्दी गालियां देना, अपनी पत्नी को 20 हजार के लिए सुला देने जैसी अमर्यादित ओर अशोभनीय बात पुलिसकर्मी को सबके सामने कहना कही ना कही इंसानियत के साथ साथ खाकी को भी लज्जित किया है, जिससे जिलेभर में पुलिसकर्मियों में खासा रोष है, कई पुलिसकर्मियों से बात हुई तो उन्होंने दबी जुबान अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि हम हमारे पुलिस अधीक्षक के निर्णय का इंतजार कर रहे है बाद में जरूरत पड़ी तो मंत्री को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए हर सम्भव कदम उठाने हेतु हम सब तैयार बैठे है।

आज सबसे बड़ा प्रशन यही हैं कि क्या सहकारिता मन्त्री गौतम कुमार दक वास्तव में भ्रष्टाचार के खिलाफ ओर ऐसे हर अधिकारी के खिलाफ ऐसे ही स्टिक है अगर है तो जयदेव देवल जिसपर कई आरोप होने के बावजूद क्यो पनाह देकर रखी, क्यो अपने ही कार्यकर्ता के पिता लसड़ावन निवासी कारुंडा के भूतपूर्व व्यवस्थापक पारस मल जैन की सही जांच करवाकर उन्हें अब न्याय नही दिला पाए तो उनकी सही जांच करवा न्याय दिलवाएंगे या छोटे मोटे कांस्टेबल से इस तरह की भाषा शैली में बात करके जनता से सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के प्रयास करते रहेंगे..?

इन्होंने यह कहा

- मामले को लेकर बड़ीसादड़ी से पूर्व विधायक प्रकाश चौधरी ने कहा कि मैने भी यह मामला अखबार में पढ़ा मंत्री दक ने ऐसी भाषा का इस्तेमाल किया तो यह बहुत अमर्यादित है, अगर पुलिसकर्मी ने भी जैसा वो बता रहे वैसा किया तो गलत है, लेकिन मंत्री को ऐसी भाषा का इस्तेमाल करने की बजाय सिस्टम से उसे कही अन्यत्र ट्रांसफर या एपीओ करवा सकते थे, सिस्टम से जो बनती कार्यवाही करवा सकते थे लेकिन ऐसा करना कही से कही तक उचित नही है।
- भाजपा जिलाध्यक्ष रतनलाल गाडरी ने भी मामले से पल्ला झाड़ते हुए यह कह कर इतिश्री कर ली कि मैने कुछ देखा ही नही, मुझे तो कुछ पता ही नही है।

जयपुर-सांवरिया जी नई बस सेवा का लाडपुरा चौराहे पर भव्य स्वागत

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। क्षेत्र के सांवरिया भक्तों और यात्रियों के लिए एक बेहद सुगम और नई परिवहन सेवा की शुरुआत हुई है। जयपुर से सुप्रसिद्ध कृष्ण धाम श्री सांवरिया जी (मंडफिया) के लिए शुरू हुई नई बस सेवा के गुरुवार को लाडपुरा चौराहे पर प्रथम आगमन पर क्षेत्र के ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों द्वारा जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस नई बस सेवा के शुरू होने से क्षेत्र के श्रद्धालुओं में काफी उत्साह और हर्ष की लहर है।

यह रहेगा बस सेवा का विस्तृत समय:

इस नई बस सेवा के संचालन समय की जानकारी देते हुए ग्रामीणों ने बताया कि यह बस प्रतिदिन जयपुर से दोपहर 12:00 बजे प्रस्थान करेगी। इसके बाद शाम 5:55 बजे त्रिवेणी, शाम 6:20 बजे लाडपुरा, शाम 6:55 बजे बेगूं, रात्रि 8:15 बजे चित्तौड़गढ़ होते हुए रात 9:45 बजे श्री सांवरिया जी पहुंचेगी।

वहीं वापसी में यह बस प्रतिदिन सुबह 5:30 बजे सांवरिया जी से प्रस्थान करेगी, जो सुबह 6:40 बजे चित्तौड़गढ़ और सुबह 7:55 बजे लाडपुरा पहुंचेगी। इस सुविधायुक्त समय-सारणी से क्षेत्र के व्यापारियों, नौकरीपेशा लोगों और सांवरिया जी जाने वाले दर्शनार्थियों को सीधा लाभ मिलेगा।

लाडपुरा चौराहे पर बस के पहुंचते ही यात्रियों और स्टाफ का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। इस गौरवमयी अवसर पर महावीर सिंह, अरविंद कुमार शर्मा, गजराज जैन, प्रभु सनाढ्य, सूरज शर्मा, बबलू सेन, भेरूलाल धाकड़, संतोष मेवाड़ा, अनिल उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण, युवा साथी और राहगीर उपस्थित रहे।

निम्बाहेड़ा को मिली राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा की सौगात

विधायक कृपलानी के प्रयासों से प्रारंभ हुआ राजकीय होम्योपैथिक ब्लॉक औषधालय

स्मार्ट हलचल|निम्बाहेड़ा

निम्बाहेड़ा नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है। विधायक एवं पूर्व स्वायत्त शासन मंत्री श्रीचंद कृपलानी के विशेष प्रयासों एवं निर्देशन में कैंची चौराहा स्थित राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय भवन में राजकीय होम्योपैथिक ब्लॉक औषधालय, निम्बाहेड़ा का संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। इस औषधालय के शुरू होने से क्षेत्रवासियों को पहली बार राजकीय स्तर पर होम्योपैथिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

क्षेत्र में लंबे समय से होम्योपैथिक चिकित्सा सुविधा की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। पूर्व मंत्री एवं विधायक कृपलानी ने आमजन

की इस मांग को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों से निरंतर समन्वय स्थापित किया तथा उपखण्ड अधिकारी के सहयोग से इस जनहितकारी कार्य को मूर्त रूप दिलाया। औषधालय के प्रारंभ होने पर नगरवासियों एवं ग्रामीण नागरिकों ने विधायक कृपलानी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल बताया है।

औषधालय में डॉ. पीयूष जैन चिकित्सा अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं देंगे, जबकि सुनील कुमार शर्मा कंपाउंडर के रूप में चिकित्सा व्यवस्था में सहयोग प्रदान करेंगे। यहां आने वाले रोगियों को चिकित्सकीय परामर्श, उपचार एवं आवश्यक होम्योपैथिक औषधियां उपलब्ध कराई जाएंगी।

इस अवसर पर विधायक कृपलानी ने कहा कि आमजन को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस औषधालय के प्रारंभ होने से निम्बाहेड़ा नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों लोगों को लाभ मिलेगा तथा लोगों को वैकल्पिक एवं प्रभावी चिकित्सा पद्धति की सुविधा स्थानीय स्तर पर ही प्राप्त हो सकेगी।

होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति अपनी सुरक्षित, सरल एवं प्रभावी उपचार प्रणाली के लिए जानी जाती है। इस औषधालय में विभिन्न प्रकार के रोगों का उपचार अनुभवी चिकित्सकीय मार्गदर्शन में किया जाएगा, जिससे आमजन को किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। विशेष रूप से ऐसे रोगी जो लंबे समय से होम्योपैथिक उपचार की सुविधा की मांग कर रहे थे, उन्हें अब स्थानीय स्तर पर ही बेहतर चिकित्सा सुविधा प्राप्त हो सकेगी। क्षेत्रवासियों ने औषधालय के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विधायक कृपलानी के प्रयासों से निम्बाहेड़ा में स्वास्थ्य सेवाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है। राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा की शुरुआत को क्षेत्र के स्वास्थ्य विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सांसद सीपी जोशी ने 'हिन्दुत्व' पुस्तिका का किया विमोचन

हिन्दुत्व को जीवन शैली और मानवता की भावना से जोड़ने वाली पुस्तिका का लोकार्पण

स्मार्ट हलचल|चित्तौड़गढ़

डॉ. सुशीला लड्ढा द्वारा संपादित एवं प्रकाशित तथा शिव मृदुल द्वारा अंग्रेजी से हिन्दी में अनूदित पुस्तिका 'हिन्दुत्व' का विमोचन गुरुवार को चित्तौड़गढ़ सांसद सी.पी. जोशी ने अपने कार्यालय में किया। इस अवसर पर सांसद सी.पी. जोशी ने कहा कि देश में 12 वर्षों के सुशासन के अवसर पर 'हिन्दुत्व' पुस्तिका का विमोचन करते हुए उन्हें हर्ष की अनुभूति हो रही है। उन्होंने बताया कि पुस्तिका के प्रारंभिक पृष्ठों में हिन्दुत्व को लेकर माननीय उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी का उल्लेख किया गया है, जिसमें हिन्दुत्व को किसी विशेष धार्मिक अनुष्ठान या संप्रदाय से नहीं, बल्कि जीवन शैली एवं मनःस्थिति के रूप में

व्याख्यायित किया गया है।

सांसद जोशी ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति गजेन्द्र गडकर की टिप्पणी के अनुसार हिन्दुत्व किसी धर्म, जाति या वर्ग विशेष तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे भारतीय जीवन पद्धति के व्यापक स्वरूप के रूप में समझा जा सकता है।

डॉ. सुशीला लड्ढा ने बताया कि 'हिन्दुत्व' पुस्तिका भारत की गौरवशाली संस्कृति, सभ्यता एवं शाश्वत जीवन मूल्यों को प्रस्तुत करने का प्रयास है। यह पुस्तिका भारतीय संस्कृति की उस परंपरा को रेखांकित करती है, जिसने भारत को विश्व गुरु के रूप में स्थापित किया। पुस्तिका के अनुवादक शिव मृदुल ने बताया कि यह पुस्तिका हिन्दू, हिन्दुस्तान और हिन्दुत्व तीन प्रमुख खंडों में विभाजित है। इसमें हिन्दुत्व के मूल तत्वों जैसे कृतज्ञता, परोपकार, अहिंसा, मातृशक्ति का सम्मान, दया, ईमानदारी, संयम, पारिवारिक जीवन एवं विश्व बंधुत्व की भावना को विस्तार से बताया गया है।

लेखक द्वय ने जानकारी दी कि पुस्तिका में उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति के. रामास्वामी एवं न्यायमूर्ति बी.एल. हंसराय की टिप्पणियों के साथ-साथ वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंसटीन, विचारक मैक्समूलर, पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन तथा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों का भी समावेश किया गया है। इसके माध्यम से हिन्दुत्व की सर्वजनहिताय एवं मानव कल्याण की भावना को प्रस्तुत किया गया है।

सावरकर जयंती पर संगोष्ठी, पौधारोपण व रन फॉर सावरकर का आयोजन

स्मार्ट हलचल | नारायणपुर

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के माय भारत विभाग अलवर के निर्देशानुसार श्री कृष्णा शिक्षा एवं ग्रामीण विकास समिति के जागृति युवा मंडल द्वारा विनायक दामोदर सावरकर जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सावरकर के जीवन एवं राष्ट्रभक्ति पर संगोष्ठी आयोजित की गई। इसके साथ ही धामेड़ा धाम में पौधारोपण, पक्षियों के लिए परिंडे लगाने तथा युवाओं के बीच क्विज एवं 'रन फॉर सावरकर' दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में रोहित लोधी एवं मनीष लोधी प्रथम रहे। उत्कृष्ट प्रतिभाओं को टी-शर्ट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष महेश चन्द सैनी, सचिव सुनील कुमार शर्मा, संगठन मंत्री पिंकी मीना, मंडल सचिव गायत्री शर्मा, निदेशक मोनू शर्मा, पूरण लोधी, नर्सिंग अधिकारी सतीश यादव, रोहित, मनोज सैनी, मल्ली, मनीष, सुल्तान, साहिल , उमेश यादव, जितेन्द्र, केशव शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

तिथि अंकन में देरी पर प्रधानाचार्यों में रोष, आंदोलन की चेतावनी

चयन तिथि अंकन लंबित रहने पर शिक्षा निदेशालय के खिलाफ बनाई रणनीति

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद प्रधानाचार्य (रैसा-पी) की जिला कार्यकारिणी की बैठक बुधवार को मधुबन स्थित हाथीकुंड मंदिर परिसर में संरक्षक एवं राष्ट्रपति पुरस्कृत डॉ. गोविंद राम शर्मा की अगुवाई में आयोजित हुई। बैठक में पदोन्नत प्रधानाचार्यों की चयन तिथि अंकन प्रक्रिया लंबे समय से लंबित रहने पर शिक्षा निदेशालय बीकानेर के प्रति गहरा रोष व्यक्त किया गया तथा आंदोलन की रणनीति तैयार की गई।

संघ के जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार जैन ने बताया कि माननीय शिक्षा मंत्री द्वारा बार-बार निर्देश दिए जाने और शासन स्तर से आदेश जारी होने के बावजूद सत्र 2015-16 से 2019-20 तक पदोन्नत प्रधानाचार्यों की पदोन्नति तिथि अंकन का कार्य अब तक पूरा नहीं किया गया है। इससे प्रधानाचार्य वर्ग में भारी नाराजगी और असंतोष व्याप्त है।

उन्होंने बताया कि सत्र 2017-18 में पदोन्नत हुए 1970 प्रधानाचार्यों में से केवल कुछ की ही पदोन्नति तिथि 01 अप्रैल 2017 का अंकन वर्ष 2022 में किया गया, जबकि शेष हजारों प्रधानाचार्य आज भी इस प्रक्रिया से वंचित हैं।

जैन ने कहा कि 03 मार्च 2015 को वित्त विभाग द्वारा 4999 प्रधानाचार्य पदों की स्वीकृति दिए जाने के बावजूद निदेशालय स्तर पर आवश्यक कार्रवाई में शिथिलता बरती गई। संघ का आरोप है कि डीपीसी विभाग में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लापरवाही के कारण करीब 8000 प्रधानाचार्यों का चयन वरिष्ठता अंकन लंबित पड़ा हुआ है।

रैसा-पी जिला कोषाध्यक्ष श्याम लाल लुहाड़िया ने बताया कि तिथि अंकन को लेकर आगामी 1 जून को जिला प्रतिनिधिमंडल द्वारा सांसद एवं विधायक से वार्ता की जाएगी। साथ ही जिला कलेक्टर के माध्यम से शिक्षा मंत्री एवं शिक्षा निदेशालय को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसके बाद प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार आंदोलन शुरू किया जाएगा। बैठक में संरक्षक आनंद कुमार दीक्षित, सभाध्यक्ष भैरूलाल वीरवाल, जिला मंत्री भगवान लाल सुथार, महिला मंत्री अनुराधा आर्य, अतिरिक्त मंत्री संजय कोदली, संगठन मंत्री सतीश कुमार दशोरा, हरीश न्याति, राजकुमार तोलंबिया, नजीराम जाट, सुभाष मेडतवाल सहित कई प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

गाड़री समाज की बैठक सम्पन्न

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

गाड़री समाज की महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को खरडेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आयोजित हुई। बैठक में समाज के प्रतिभा सम्मान समारोह के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समिति का गठन किया गया।

बैठक में मुख्य अतिथि भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष एवं गाड़री महासभा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेश गाड़री घटियावली रहे, जबकि अध्यक्षता गाड़री महासभा युवा प्रदेश अध्यक्ष देवीलाल गाड़री चिकसी ने की। बैठक के दौरान समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजजनों के सम्मान हेतु प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने पर विचार-विमर्श किया गया। समाज के वरिष्ठजनों ने कार्यक्रम को व्यापक एवं सफल बनाने के लिए सुझाव भी दिए।

इस अवसर पर आयोजन समिति संयोजक रामलाल चिकसी, अध्यक्ष देवराज घटियावली, उपाध्यक्ष राजेश बोरखेड़ा, किशन सुवानिया, कैलाश मुरौली, महामंत्री रामरतन रोजड़ा, राहुल बिलिया, महेश सेमलिया, कोषाध्यक्ष मिट्ठू जाफरखेड़ा, संगठन मंत्री अर्पित अरनोदा, प्रचार मंत्री कन्हैया सुवानिया, सह मंत्री पिंटू मंडपिया, लेहरू सेमलिया, कार्यालय प्रभारी प्रकाश बानसेन एवं प्रवक्ता भेरू सतुपरा सहित कई समाजजन उपस्थित रहे।

मेवाड़ के इतिहास को मिला जीवंत स्वरूप: 484वीं जयंती पर बना भव्य तैल चित्र बना चर्चा का केंद्र, इतिहासकारों ने बताया 'बोलता चित्र'

स्मार्ट हलचल|उदयपुर

मेवाड़ के शौर्य, स्वाभिमान और गौरवशाली इतिहास को सजीव करता महाराज शक्ति सिंह जी का भव्य तैल चित्र इन दिनों पूरे राजस्थान में विशेष आकर्षण और चर्चा का विषय बना हुआ है। महाराज शक्ति सिंह जी की 484वीं जयंती के अवसर पर मेवाड़ के ख्यातनाम चित्रकार डॉ. ओम प्रकाश सोनी, बिजौलियाँ द्वारा निर्मित यह चित्र कला और इतिहास का अद्भुत संगम माना जा रहा है।

चित्र का अवलोकन करते हुए रणधीर सिंह भींडर ने कहा– 'युगों-युगों तक याद रखा जाएगा महाराज शक्ति सिंह जी का यह चित्र।' उन्होंने इसे केवल एक कलाकृति नहीं, बल्कि मेवाड़ की वीर परंपरा, त्याग और स्वाभिमान की जीवंत अभिव्यक्ति बताया।

ऐतिहासिक तथ्यों और शोध पर आधारित अद्वितीय कृति

डॉ. ओम प्रकाश सोनी द्वारा निर्मित यह तैल चित्र इतिहास में उपलब्ध तथ्यों, प्रातः स्मरणीय महाराणा प्रताप एवं महाराज शक्ति सिंह जी के उपलब्ध चित्रों, ऐतिहासिक संदर्भों तथा वर्षों के अध्ययन एवं शोध के आधार पर तैयार किया गया है। चित्र में शक्ति सिंह जी के तेजस्वी व्यक्तित्व, वीरता, राजसी गरिमा और स्वाभिमान को अत्यंत प्रभावशाली एवं जीवंत शैली में दर्शाया गया है। चित्र को देखने वाले कला प्रेमियों का कहना है कि यह केवल चित्र नहीं, बल्कि ऐसा प्रतीत होता है मानो इतिहास स्वयं सामने उपस्थित हो।

'बोलता चित्र' बनकर उभरी मेवाड़ की शौर्यगाथा

समस्त मेवाड़ सहित पूरे राजस्थान में इस चित्र की व्यापक सराहना हो रही है। इतिहासकारों एवं कला समीक्षकों का मानना है कि जिस प्रकार महान चित्रकार राजा रवि वर्मा ने अपने चित्रों के माध्यम से ऐतिहासिक पात्रों को जन-जन तक पहुँचाया, उसी प्रकार डॉ. ओम प्रकाश सोनी ने महाराज शक्ति सिंह जी के इस 'बोलते चित्र' के माध्यम से मेवाड़ के स्वर्णिम इतिहास को नई पीढ़ी के सामने जीवंत कर दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार चित्र की सबसे बड़ी विशेषता इसकी ऐतिहासिक प्रामाणिकता और भावनात्मक अभिव्यक्ति है। शक्ति सिंह जी के चेहरे की दृढ़ता, नेत्रों का तेज, शौर्यपूर्ण मुद्रा और राजसी आभा दर्शकों को सीधे उस गौरवशाली युग में ले जाती है।

भींडर की कल्पना ने दिया विशेष स्वरूप

इस ऐतिहासिक चित्र के निर्माण में डॉ. ओम प्रकाश सोनी की इतिहास एवं मेवाड़ की परंपराओं के प्रति गहरी रुचि और वर्षों के अध्ययन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं रणधीर सिंह भींडर की कल्पना, दृष्टि एवं शक्ति सिंह जी के व्यक्तित्व की गहन समझ ने इस चित्र को विशेष ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया।

समारोह में उमड़ा मेवाड़ का गौरव

महाराज शक्ति सिंह जी की 484वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक श्री विश्वराज सिंह मेवाड़ उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने की। समारोह में मेवाड़ के प्रमुख उमरावों, इतिहासकारों, कला प्रेमियों एवं शहर के अनेक गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह में उपस्थित लोगों ने इस चित्र को मेवाड़ की सांस्कृतिक धरोहर बताते हुए कहा कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा तथा महाराज शक्ति सिंह जी के अद्वितीय योगदान को सदैव स्मरण कराता रहेगा।

दशनाम गोस्वामी समाज के चुनाव 31 को

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

दशनाम गोस्वामी समाज सेवा संस्थान शहर चित्तौड़गढ़ रजिस्टर्ड की वर्तमान कार्यकारिणी का तीन वर्षीय कार्यकाल 28 मई 2026 को पूर्ण हो गया। इसके बाद नई कार्यकारिणी एवं अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर समाज की बैठक आयोजित कर आगामी चुनाव कार्यक्रम तय किया गया। संस्थान के अध्यक्ष यशवंतपुरी गोस्वामी एडवोकेट ने जानकारी देते हुए बताया कि नए अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी के गठन को लेकर 10 मई 2026 को संस्था कार्यालय शंकर गट्टा, चित्तौड़गढ़ में समाज की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 31 मई 2026 को दोपहर 3 बजे समाज की आमसभा संस्था कार्यालय शंकरगट्टा पर आयोजित की जाएगी, जिसमें आपसी विचार-विमर्श के बाद नए अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी का चुनाव किया जाएगा। बैठक में अध्यक्ष यशवंतपुरी गोस्वामी एडवोकेट, कोषाध्यक्ष देवेंद्र पुरी, सचिव नरेंद्र पुरी, उपाध्यक्ष सुनील पुरी, महेश पुरी बीसीडब्ल्यू, अंकित बालकिशन पुरी, रवि गिरी, अभिनंदन पुरी, हेमंत पुरी, रूपेंद्र गिरी, आर्यन गिरी, मनीष गिरी, नीतू गोस्वामी सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे। समाज की ओर से शहर चित्तौड़गढ़ के दशनाम गोस्वामी समाज के प्रत्येक परिवार के मुखिया अथवा कम से कम एक सदस्य से अधिक से अधिक संख्या में बैठक में उपस्थित होकर नए अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी गठन में सहभागिता निभाने की अपील की गई है।

बीजेपी के झंडे में भरकर ऑफिस के बाहर फेंका कचरा

राम टावर के व्यापारियों में रोष, सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद मचा हड़कंप, नगर पालिका ने ठेका कर्मी को किया बर्खास्त।

स्मार्ट हलचल

नागौर/मेड़ता रोड। नागौर जिले के डेगाना शहर में राम टावर स्थित मातेश्वरी फाइनेंस एंड इंश्योरेंस कार्यालय के बाहर कचरा फेंकने की घटना को लेकर गुरुवार को व्यापारियों में भारी नाराजगी देखने को मिली। घटना का खुलासा सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद हुआ, जिसके बाद पूरे बाजार में इस मामले की चर्चा रही।

कार्यालय संचालक अभय राज सिंह राठौड़ ने बताया कि गुरुवार सुबह कार्यालय पहुंचने से पहले उन्हें आसपास के दुकानदारों ने फोन कर सूचना दी कि उनके ऑफिस के सामने सड़क का कचरा डाल दिया गया है। सूचना मिलने पर जब वे मौके पर पहुंचे और कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग देखी तो एक महिला सफाई कर्मी सड़क से कचरा उठाकर बीजेपी के झंडे में भरते हुए कार्यालय के सामने फेंकती नजर आई।

घटना की जानकारी मिलते ही राम टावर क्षेत्र के व्यापारियों में रोष फैल गया। व्यापारियों ने इसे गैर-जिम्मेदाराना और आपत्तिजनक कृत्य बताते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। मामले की शिकायत तत्काल नगर पालिका प्रशासन को दी गई।

जानकारी के अनुसार संबंधित महिला सालासर डेवलपर्स की ठेका कर्मी मंजू, निवासी ईडवा गांव बताई जा रही है। मामले की जांच के बाद नगर पालिका प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए संबंधित कर्मी को सेवा से बर्खास्त कर दिया।

नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी (ईओ) ने बताया कि घटना गंभीर प्रकृति की है तथा प्रथम दृष्टया कर्मचारी की गलती सामने आने पर उसे तत्काल प्रभाव से कार्य से हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि सफाई व्यवस्था के दौरान इस प्रकार की लापरवाही और अनुचित व्यवहार किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

घटना के बाद राम टावर के व्यापारियों ने कहा कि सफाई व्यवस्था का उद्देश्य शहर को स्वच्छ रखना है, लेकिन यदि सफाई कर्मी ही प्रतिष्ठानों के सामने कचरा डालने जैसी हरकत करें तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। व्यापारियों का यह भी कहना था कि कई बार सफाई कर्मियों द्वारा गंदगी फैलाने की शिकायतें सामने आती रही हैं, लेकिन इस बार सीसीटीवी फुटेज के कारण पूरा मामला उजागर हो गया।

मौके पर अभय राज सिंह राठौड़, सतीश कुमार, गोविंद मारोठिया, तेजाराम पलिया, राहुल चौधरी, पूनाराम कमेडिया, राजूराम चौधरी, सुखवीर साहू, गौतम सेन, रिछपाल नेहरा, हनुमान राम, प्रकाश भारती, कमल जिलोवा, आजाद खान, विजय सेन तथा भगवत सिंह राठौड़ सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे। सभी ने नगर पालिका से भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी निगरानी व्यवस्था लागू करने की मांग की।

व्यापारियों ने चेतावनी दी कि यदि सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन करने को मजबूर होंगे। वहीं, घटना के बाद दिनभर बाजार में इस विषय को लेकर चर्चा का माहौल बना रहा।

जितेन्द्र कुमावत बने भाजपा ओबीसी मोर्चा राजस्थान के प्रदेश प्रवक्ता

स्मार्ट हलचल

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व ने एडवोकेट जितेन्द्र

कुमावत को भाजपा ओबीसी मोर्चा राजस्थान का प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त किया है। इस जिम्मेदारी मिलने पर उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ तथा भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष महेन्द्र कुमावत का आत्मीय आभार व्यक्त किया। एडवोकेट जितेन्द्र कुमावत ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने एक साधारण कार्यकर्ता पर विश्वास जताकर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है, जिसे वह पूरी निष्ठा, समर्पण और ऊर्जा के साथ निभाएंगे। उन्होंने संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों और शीर्ष नेतृत्व का भी धन्यवाद ज्ञापित करते हुए भरोसा दिलाया कि भाजपा की विचारधारा, नीतियों और अंत्योदय के संकल्प को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने के लिए लगातार कार्य करेंगे।

उन्होंने कहा कि युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ना, संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त करना और युवा शक्ति के माध्यम से मजबूत संगठन व सशक्त राष्ट्र के लक्ष्य को आगे बढ़ाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने जो भरोसा उन पर जताया है, उस विश्वास पर खरा उतरना ही उनका प्रमुख उद्देश्य होगा।

भाजपा संगठन में इस नियुक्ति को ओबीसी मोर्चा के संगठनात्मक विस्तार और युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मेड़ता रोड में अक़ीदत व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईदुल अजहा का पर्व

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड। कस्बे में ईदुल अजहा (बकरीद) का पर्व गुरुवार को पूरे धार्मिक उत्साह, अक़ीदत और भाईचारे के माहौल में मनाया गया। सुबह से ही मुस्लिम समाज के लोग नए परिधानों में सज-धजकर रेलवे स्टेशन के समीप स्थित ईदगाह पहुंचे, जहां सुबह साढ़े सात बजे ईदुल अजहा की मुख्य नमाज़ अदा की गई। नमाज़ के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर अल्लाह की बारगाह में सज्दा किया और देश-दुनिया में अमन, शांति, खुशहाली एवं भाईचारे की दुआएं मांगी।

ईदगाह में आयोजित मुख्य नमाज़ कस्बे की शाही जामा मस्जिद के इमाम मौलाना दायम रज़ा क़ादरी ने अदा करवाई। नमाज़ से पूर्व अपने बयान में उन्होंने ईदुल अजहा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम और हज़रत इस्माईल अलैहिस्सलाम की कुर्बानी के वाकये का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ईदुल अजहा त्याग, समर्पण, आज्ञाकारिता और इंसानियत की सेवा का संदेश देने वाला पर्व है।

मौलाना क़ादरी ने नमाज़ और कुर्बानी से जुड़े मसाइल एवं शरीयत के अहकाम पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने लोगों से अपील की कि कुर्बानी के दौरान स्वच्छता, सामाजिक सौहार्द और प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का विशेष ध्यान रखें।

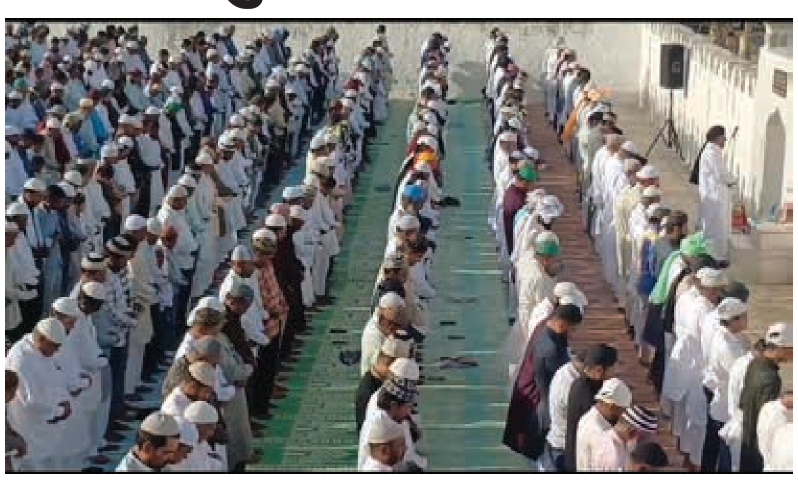

साथ ही जरूरतमंदों, गरीबों और बेसहारा लोगों की मदद करने तथा कुर्बानी के गोश्त में उनका भी हिस्सा सुनिश्चित करने की सीख दी।

नमाज़ के बाद लोगों ने एक-दूसरे को ईदुल अजहा की मुबारकबाद दी और गले मिलकर खुशियां साझा कीं। इसके बाद घरों एवं निर्धारित स्थानों पर कुर्बानी का सिलसिला शुरू हुआ। पूरे दिन कस्बे में पर्व को लेकर उत्साह का माहौल बना रहा।

ईदगाह और आसपास के क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस एवं प्रशासन की ओर से भी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। पर्व के दौरान सभी समुदायों के लोगों ने आपसी भाईचारे, सौहार्द और सद्भाव का परिचय दिया।

इस अवसर पर मुस्लिम समाज के गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, युवा एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। नमाज़ के समापन पर देश की तरक्की, प्रदेश की खुशहाली तथा समाज में प्रेम, सद्भाव और शांति कायम रहने की विशेष दुआ की गई।

घाड़ में ईद-उल-अजहा की नमाज अदा: जामा मस्जिद में एक दूसरे के गले मिलकर बधाई दी, अमन-चैन की दुआ मांगी

घाड़ कस्बे और आसपास के क्षेत्रों में गुरुवार को त्याग और समर्पण का प्रतीक ईद-उल-अजहा का त्योहार मनाया

स्मार्ट हलचल|घाड़

कस्बे और आसपास के क्षेत्रों में गुरुवार को त्याग और समर्पण का प्रतीक ईद-उल-अजहा का त्योहार आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कस्बे की मुख्य जामा मस्जिद में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने विशेष नमाज अदा की।सुबह ठीक 8 बजे ईद की नमाज अदा की गई, जिसमें घाड़ और आसपास के ग्रामीण इलाकों से आए श्रद्धालुओं ने शिरकत की। नमाज संपन्न होते ही पूरी फिजां 'ईद मुबारक' की गूंज से सराबोर हो गई और लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर त्योहार की मुबारकबाद दी। जामा मस्जिद में मुख्य नमाज के बाद देश में अमन, चैन, खुशहाली, तरक्की और आपसी सौहार्द के लिए विशेष दुआ मांगी गई। नमाज के पश्चात हाफिज नियाजुद्दिन सहित समाज के अन्य गणमान्य लोगों ने उपस्थित जनसमूह को प्रेम, भाईचारे और एकता का संदेश दिया।

इस पवित्र अवसर पर क्षेत्र की कई प्रमुख धार्मिक, सामाजिक हस्तियां, वरिष्ठ नागरिक और युवा बड़ी संख्या में मौजूद रहे। इनमें हाफिज मोहम्मद नियाजुदीन, इरफान आजमी, मुश्ताक भाई, मुख्तार भाई बिसायती, सलाम लोहार, बन्ना शाह, ओबीसी ब्लॉक कोषाध्यक्ष असलम आजमी, शब्बीर भाई, हबिब भाई, अजीज भाई, इस्माइल, शहजाद शाह, मो. इक्लाख सद्दाम, ऐसान आजमी, मोईन मंसूरी, ऐसान, आदिल, साहिद अली, वसीम खान, मौकीत मंसूरी, शोयब खान, ईमरान आजमी, फैजान खान, शाहरुख और शाहिद लोहार सहित कई लोग शामिल हुए।त्योहार को शांतिपूर्ण और सुचारु ढंग से संपन्न कराने के लिए घाड़ थाना पुलिस प्रशासन सुबह से ही पूरी तरह मुस्तैद रहा। थाना प्रभारी हरीराम वर्मा के नेतृत्व में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए।

जामा मस्जिद और मुख्य मार्गों पर कांस्टेबल राजेंद्र सहित पुलिस बल तैनात रहा, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारु रही और कानून व्यवस्था बनी रही। नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने पर मस्जिद कमेटी के पदाधिकारियों ने बेहतर सुरक्षा और सहयोग के लिए स्थानीय प्रशासन और घाड़ पुलिस का आभार व्यक्त किया।

वन्यजीव हमलों से पीड़ितों को मिलेगा त्वरित कानूनी सहयोग, मेड़ता रोड में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

स्मार्ट हलचल|मेड़ता रोड

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मेड़ता के निर्देशानुसार गुरुवार को नगर पालिका परिसर, मेड़ता रोड में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आमजन को विभिन्न कानूनी अधिकारों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं निःशुल्क विधिक सहायता संबंधी जानकारी देकर जागरूक किया गया।

शिविर को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मेड़ता के सचिव संजय कुमार मालवीया ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा संचालित 'ह्यूमन वाइल्ड लाइफ कॉन्फ्लिक्ट योजना' की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वन्यजीवों के हमले से प्रभावित व्यक्तियों को इस योजना के तहत निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है, जिससे उन्हें शीघ्र मुआवजा प्राप्त करने में मदद मिलती है। उन्होंने

कहा कि पीड़ित व्यक्ति घटना की सूचना जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मेड़ता को देकर योजना का लाभ उठा सकते हैं।

सचिव मालवीया ने 'नालसा जागृति-सुरक्षित बचपन, सुरक्षित भविष्य' अभियान के तहत बच्चों की सुरक्षा से जुड़े विषयों पर भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने पॉक्सो अधिनियम-2012 के महत्वपूर्ण प्रावधानों, बाल संरक्षण कानूनों तथा बच्चों के अधिकारों के बारे में उपस्थित लोगों को जागरूक किया। शिविर में वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार, भरण-पोषण अधिनियम, रोडवेज स्मार्ट कार्ड योजना, नालसा एवं रालसा द्वारा संचालित विभिन्न जनहितकारी योजनाओं तथा निःशुल्क विधिक सहायता की व्यवस्था के संबंध में भी जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में समाजसेवी रामनिवास लटियाल, मेड़ता रोड थानाधिकारी दयानन्द शर्मा, ग्रामीणजन, वरिष्ठ नागरिक एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। शिविर के दौरान लोगों ने कानूनी सहायता से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया गया।

आत्मबोध से विश्वबोध' कोटा में होगा राष्ट्रीय स्तर का साहित्यिक मंथन

अखिल भारतीय साहित्य परिषद का 9वाँ प्रदेश अधिवेशन 30-31 मई को, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला करेंगे उद्घाटन

स्मार्ट हलचल| कोटा

साहित्य, संस्कृति और भारतीय चिंतन की समृद्ध परंपरा को नई दिशा देने के उद्देश्य से अखिल भारतीय साहित्य परिषद, राजस्थान का 9वां प्रदेश अधिवेशन 30 और 31 मई को कोटा में आयोजित होगा। दो दिवसीय इस अधिवेशन का मूल विषय 'आत्मबोध से विश्वबोध मंथन' रहेगा, जो आयोजन की वैचारिक धुरी होगा और व्यक्ति से विश्व तक चेतना के विस्तार पर गहन संवाद का आधार बनेगा।

गुरुवार को आयोजन के आमंत्रण पत्र का विमोचन सहसंयोजक महेश विजय,सयोजक विष्णु शर्मा,सहसंयोजक राजेन्द्र गौड़,कोटा विभाग संयोजक योगी राज,प्रचार मंत्री राजेन्द्र मोरपा,प्रांतीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र गौड़ सहित कई परिषद पदाधिकारियों ने किया।

प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अन्नाराम शर्मा एवं प्रदेश महामंत्री डॉ. केशव

शर्मा ने बताया कि चित्तौड़ प्रांत के तत्वावधान में यह अधिवेशन राजकीय आयुर्वेदिक योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय, तलवंडी में आयोजित किया जाएगा। इसमें प्रदेशभर से साहित्यकार, शिक्षाविद्, चिंतक और परिषद पदाधिकारी भाग लेंगे।

मुख्य संयोजक विष्णु शर्मा ने बताया कि दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रांतीय बैठक, लोकमंथन, बाल साहित्य, लोक साहित्य और संगठनात्मक विषयों पर चर्चा के साथ 'आत्मबोध से विश्वबोध' विषय पर विशेष व्याख्यान और विमर्श आयोजित होंगे। अधिवेशन का उद्देश्य भारतीय जीवन-दृष्टि, सांस्कृतिक चेतना और साहित्यिक संवाद को व्यापक सामाजिक संदर्भों से जोड़ना है।

सहसंयोजक महेश विजय के अनुसार 30 मई को प्रातः 10:45 बजे उद्घाटन सत्र लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के मुख्य आतिथ्य में होगा। इसकी अध्यक्षता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुशील चंद्र त्रिवेदी करेंगे, जबकि राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. पवनपुत्र बादल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

31 मई को समापन समारोह में कृषि विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. विमला डूंकवाल मुख्य अतिथि होंगी। कार्यक्रम को पूज्य विनय कुमार महाराज, अधिष्ठाता बड़े महाप्रभुजी मंदिर, पाटनपोल का सान्निध्य प्राप्त होगा तथा अध्यक्षता परिषद के अखिल भारतीय महामंत्री डॉ. भरत ठाकोर करेंगे।

अधिवेशन में प्रदेश के वरिष्ठ साहित्यकारों की सहभागिता रहेगी और उनकी चार पुस्तकों का लोकार्पण भी किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय साहित्य परिषद वर्ष 1966 से राष्ट्रीय स्तर पर साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से भारतीय चिंतन को सशक्त बनाने का कार्य कर रही है। राजस्थान में इसकी गतिविधियाँ चित्तौड़, जयपुर और जोधपुर प्रांतों के माध्यम से संचालित होती हैं।

कुर्बानी हजरत इब्राहिम अलयस्सलाम की सुन्नत है

स्मार्ट हलचल

सांगोद। इदुल अजहा की नमाज जामा मस्जिद पेश इमाम नायब काजी हाफिज बिलाल अहमद ने ईदगाह मे अदा करवाकर बताया कि कुर्बानी हज़रत इब्राहिम अलयस्सलाम की सुंनत है और यह हर साइबे निसाब(जो धन से सक्षम हे) पर वाजिब है और इसका मकसद हमारी जिंदगी के अंदर कि बुरी आदतों से बचना है हम हमारे अंदर से गलत चीजों को निकाले और अच्छाइयों को हमारे अंदर लाए और हर गलत चीज को हमारे अंदर से निकालें हम हमारी जिंदगी को ऐसी बनाए कि हमारी जात से किसी को कोई तकलीफ नहीं पहुंचे हजरत इब्राहिम अलयस्सलाम की सुन्नत हमे सिखाती है कि दिन के रास्ते में सबसे बड़ी रुकावट हमारी अपनी नफ्सानी ख्वाहिश है। ईदुल अजहा दरअसल इन्हीं ख्वाइशों को अल्लाह की रजा के लिए कुर्बान

करने का नाम है क़ुर्बानी का हकीकी सवाब उसी वक्त मिलता है जब बंदे की नियत खालिस अल्लाह की रजा के लिए हो अगर दिल में दिखावा या सिर्फ गोश्त खाने का मकसद हो तो यह इबादत बारगाह ए इलाही में कुबूल नहीं होती वक्फ कमेटी सदर मिर्जा मुश्ताक अहमद सचिव मजीद भाई सिंगीवाले कोषाध्यक्ष जब्बार भाई सिंगीवाला जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक असरार अहमद ने कहा है कि बकरा ईद इंसानियत,भाईचारे व अल्लाह के प्रतीक अटूट विश्वास का त्यौहार है।

इस त्यौहार पर कुर्बानी से मतलब अपने स्वार्थों को छोड़ना व अच्छाइयों को अपनाना है गुरुवार को ईदुल अजहा का त्यौहार सौहार्द व भाईचारे के साथ मनाया गया ईदुल अडहा की नमाज़ से पूर्व ईदगाह गेट को फूलों से सजाया गया गुरुवार को ईदुल अजहा की नमाज जामा मस्जिद पेश इमाम नायब काजी हाफिज बिलाल अहमद ने कोटा रोड इदगाह मे आठ बजे अदा करवाई जिसमें देश मे अमन चैन,शांति सौहार्द वह भाईचारे की दुआ की ईद का त्यौहार हर्ष उल्लास वह सौहार्द भाईचारे के साथ मनाया गया बड़ों के साथ ही छोटे बच्चे भी ईदगाह में टोपी सर पर लगाकर नजर आए बकरा ईद की नमाज के बाद नायब काजी वह पेश इमाम हाफिज़ बिलाल अहमद को डॉ. आज़म बेग वक्फ कमेटी सदर मिर्ज़ा मुश्ताक अहमद सचिव मजीद भाई सींगीवाले खजांची जब्बार भाई सींगीवाले पंचायत खेलदार सदर मिर्ज़ा मुफीद अहमद असरार अहमद फ़ख़रुद्दीन मंसूरी पूर्व वक्फ कमेटी सदर समद मिर्ज़ा,साबीर मिर्ज़ा मंजूर बेग, अंजुमन सदर इब्राहिम अंसारी, सलीम अंसारी, शौकत अंसारी इस्राईल अंसारी ने साफ़ा बाँध व फूलों की माला पहनाकर स्वागत व सम्मान कर दस्तार बंदी की उसके बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईदुल अजहा की मुबारकबाद दी ईदगाह के बाहर जन प्रतिनिधि वह समाजसेवि कुशलपाल सिंह पानाहेड़ा, काँग्रेस नगर अध्यक्ष मनोज सुवालका, पूर्व कांग्रेस नगर अध्यक्ष राजेन्द्र गहलोत,दीपक जेलिया हेमंत नागर सूरज वाल्मीकि ने ईद की मुबारकबाद देने के लिए मौजूद रहे साथ ही नायब तहसीलदार जुगलकिशोर नागर,पुलिस उप अधीक्षक नरेन्द्र कुमार,थाना अधिकारी अनिल कुमार,अभय सिंह वहां मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों का महमूद खान चांद भाई नियारगीर इफ्तिकार मिर्ज़ा रफीक भाई नियारगीर आबिद मिर्जा मोहम्मद रईस अजहर अंसारी ने फुलों की माला पहनाकर उनका स्वागत व सम्मान किया ईद की नमाज के बाद मुस्लिम जनों ने कब्रिस्तानों में पहुँच कर जो इस दुनिया से जा चुके हैं उनके लिए दुआएं कि उसके बाद अपने घरो पर पहुँचकर कुर्बानी की रस्म अदा की साथ ही प्रशासन ने मुस्तैदी के साथ पुलिस जाप्ते को सुरक्षा व्यवस्था के लिए जगह जगह तैनात किया हुआ था।

बैंक खाता बेचने वाला म्यूल खाता धारक गिरफ्तार

आरोपी राहुल राठौर के कब्जे से 04 बैंक पास बुक, 04 एटीएम कार्ड, 03 चेक बुक की जप्त

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। पुलिस ने साइबर फ्रॉड में लिफ्त म्युल खाताधारक के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार

किया उसके पास चार पासबुक चार एटीएम कार्ड तीन चेक बुक जप्त की गई।

पुलिस थाना भवानीमण्डी :- जिला पुलिस अधीक्ष क अमित कुमार ने बताया कि वर्तमान में बढ़ते हुए साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं साइबर अपराध में संलिप्त खाता धारकों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्यवाही हेतु सभी थानाधिकारियों को थाना स्तर पर टीम गठित कर कार्यवाही हेतु विशेष अभियान रखा है। जिसके अंतर्गत पुलिस थाना भवानीमण्डी द्वारा थाना हाजा पर विशेष टीम का गठन किया गया गठित टीम द्वारा साइबर अपराध में संलिप्त म्यूल बैंक खाता धारक राहुल राठौर को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता अर्जित की है।

घटना विवरणः- दिनांक 26 मई श्री हरविरेन्द्र सिंह सउनि को म्यूल खाता व पोस सिम अभियान के तहत एक गोपनीय सूचना प्राप्त हुई कि कस्बा पचपहाड़ में राहुल राठौर द्वारा स्वयं के बैंक खातों को म्यूल बैंक खातों के रूप में उपयोग कर उन म्यूल बैंक खातों के माध्यम से बड़े पैमाने पर साइबर धोखाधड़ी करते हैं। तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पाया गया कि राहुल राठौर द्वारा स्वयं के म्यूल बैंक खातों के माध्यम से साइबर फ्रॉड कर लाभ प्राप्त करते हैं इत्यादि पर प्रकरण दर्ज किया गया।

कार्यवाही पुलिसः- जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार व भागचंद मीणा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झालावाड़ के निर्देशन एवं मनोज कुमार सोनी आरपीएस वृत्ताधिकारी वृत्त भवानीमण्डी के निकटतम सुपरविजन में प्रमोद कुमार पु.नि. थानाधिकारी थाना भवानीमण्डी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा प्राप्त सूचना व तकनीकी विश्लेषण द्वारा साइबर अपराध में संलिप्त बैंक खातों व खाता धारकों की जानकारी प्राप्त की गयी। दिनांक 27 मई को म्यूल खाता धारक राहुल राठौर पुत्र श्री बालचंद जाति राठौर निवासी फुलसदन पचपहाड़ थाना भवानीमण्डी जिला झालावाड़ को गिरफ्तार कर आरोपी के कब्जे से 04 बैंक पास बुक, 04 एटीएम कार्ड, 03 चेक बुक जप्त करने में महत्वपूर्ण सफलता अर्जित की है।

गिरफ्तार आरोपीगणः-

01. राहुल राठौर पुत्र श्री बालचंद जाति राठौर निवासी फुलसदन पचपहाड़ थाना भवानीमण्डी जिला झालावाड़

गुजरात में कई ऐसी जगहें हैं, जिसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। ऐसे में अगर आप इन फेमस जगहों पर घूमने नहीं जाते हैं, तो आपको यकीनन अफसोस होगा। ऐसे में आज हम आपको गुजरात की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

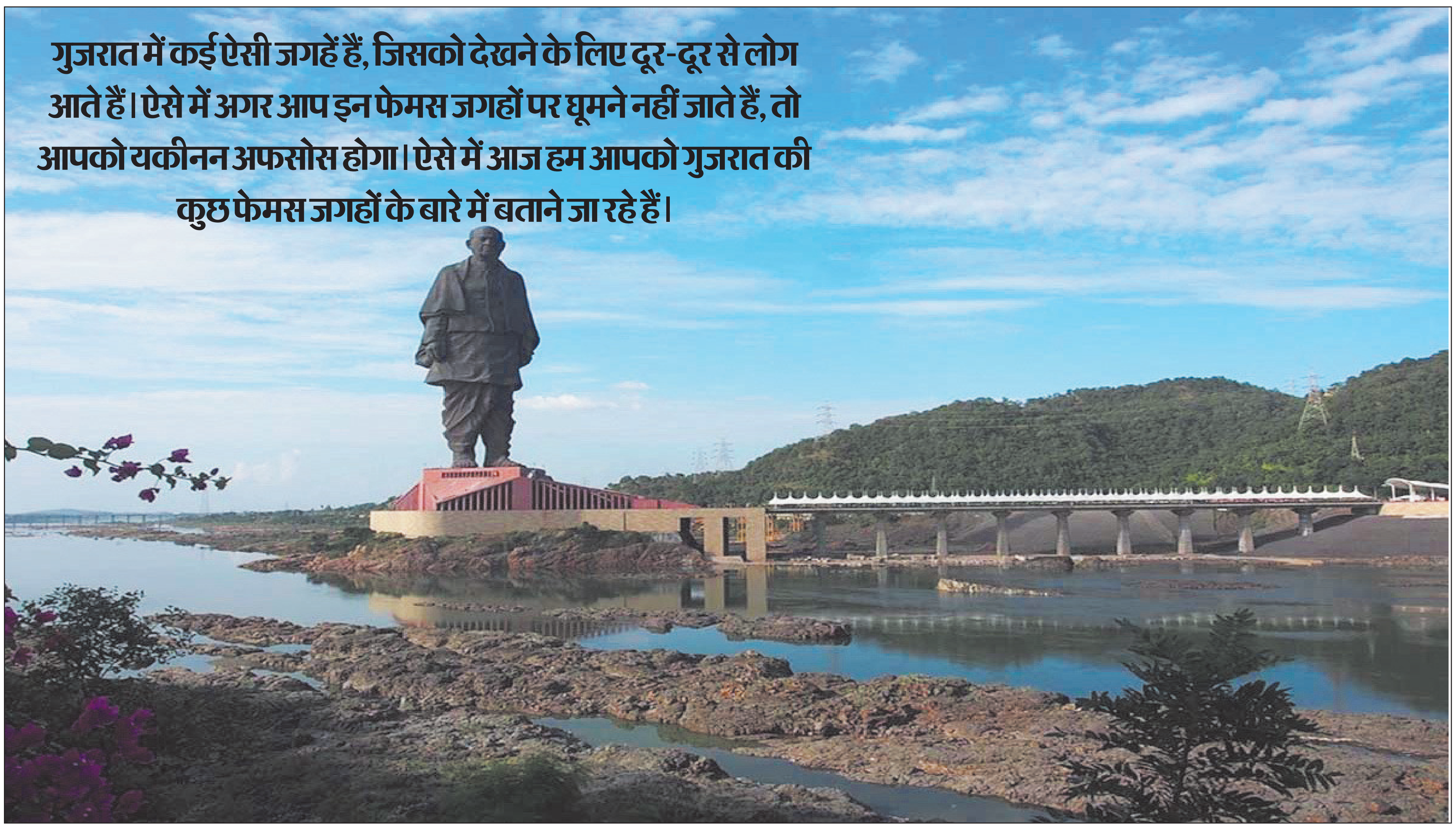

गुजरात घूमने का बना रहे प्लान तो इन जगहों को करें एक्सप्लोर, ट्रिप होगी यादगार

गुजरात घूमने जा रहे लोगों के लिए जरूरी है कि वह वहां के फेमस टूरिस्ट स्पॉट घूमने जरूर जाएं। क्योंकि जब भी आप किसी जगह पर घूमने के लिए जाते हैं। तो सबसे पहले आपके दिमाग में वही लोकेशन आती हैं। जिनके बारे में वह शहर जाना जाता है। गुजरात में कई ऐसी जगहें हैं, जिसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। ऐसे में अगर आप इन फेमस जगहों पर घूमने नहीं जाते हैं, तो आपको यकीनन अफसोस होगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गुजरात की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आपको गुजरात की इन फेमस जगहों पर घूमने जरूर जाना चाहिए।

गिर राष्ट्रीय उद्यान

गिर राष्ट्रीय उद्यान भारत के फेमस उद्यानों में से एक है। इसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। गिर राष्ट्रीय उद्यान एशिया में सिंहों का एकमात्र निवास स्थान माना जाता है। यहां पर आप सफारी का भी आनंद ले सकते हैं। वहीं इस उद्यान में आपको कई तरह के प्रजातियों वाले जीव देखने को मिलेंगे। ऐसे में गुजरात आने के बाद आपको यहां जरूर आना चाहिए।

सोमनाथ मंदिर

आपको सोमनाथ मंदिर के भी दर्शन के लिए जाना चाहिए। यह भारत के प्राचीन और ऐतिहासिक शिव मंदिरों में से एक है। भगवान शिव के भक्त दूर-दूर से इस मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। यह मंदिर शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। अरब सागर के तट पर स्थिति यह मंदिर खूबसूरत होने के साथ चमत्कारी भी माना जाता है। बताया जाता है कि सोमनाथ मंदिर में सच्चे मन से दर्शन करने वाले लोगों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। यह परिवार के साथ घूमने के लिए अच्छी जगहों में से एक है।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी

बता दें कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की 182 मीटर ऊंची भव्य प्रतिमा देश की सबसे बड़ी प्रतिमाओं में से एक है। साल 2018 में पीएम मोदी ने इसका उद्घाटन किया था। यह गुजरात का फेमस टूरिस्ट स्पॉट है। यहां का सुंदर नजारा काफी आकर्षित करता है। ऐसे में आप यदि गुजरात आ रहे हैं, तो आपको यहां आना अच्छा लगेगा।

आध्यात्म की तलाश में जा रहे ऋषिकेश तो इन जगहों पर जरूर जाएं, वरना अधूरी रह जाएगी यात्रा

आप इस वीकेंड ऋषिकेश को एक्सप्लोर कर सकते हैं और इस दौरान आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ेगा। वहीं अगर आप ऋषिकेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां की पांच खास जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

अगर आप भी दिल्ली में रहते हैं और कही धार्मिक और आध्यात्मिक जगह पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको ऋषिकेश जाना चाहिए। यह दिल्ली के करीबी पर्यटन स्थलों में से एक है। ऋषिकेश योग और आध्यात्म की नगरी है और यहां का एडवेंचर भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। खास बात यह है कि आप यहां पर किसी भी समय घूमने के लिए जा सकते हैं। ऐसे में आप इस वीकेंड ऋषिकेश को एक्सप्लोर कर सकते हैं और इस दौरान आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ेगा। वहीं अगर आप ऋषिकेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां की पांच खास जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

त्रिवेणी घाट

ऋषिकेश जाने के दौरान कुछ समय त्रिवेणी घाट पर जरूर बिताना चाहिए। यहां पर तीन नदियों का संगम होता है।

धार्मिक मान्यता है कि गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम है। हिंदू पौराणिक कथाओं में यह स्थान सबसे पवित्र माना जाता है। इस घाट पर सुबह, दोपहर और शाम के समय तीन बार गंगा आरती होती है। ऐसे में आपको शाम की गंगा आरती में जरूर शामिल होना चाहिए।

बकेश्वर मंदिर

ऋषिकेश का त्र्यंबकेश्वर मंदिर फेमस लक्ष्मण झूला के पार स्थित है। त्र्यंबकेश्वर मंदिर की स्थापना श्री श्री 108 भ्रमभीम स्वामी कैलाशानंद ने की थी। यह मंदिर 13 मंजिला और यह भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर 13 मंजिल मंदिर के नाम से जाना जाता है।

वशिष्ठ गुफा आश्रम

ऋषिकेश से करीब 25 किमी दूर प्राचीन आश्रम वशिष्ठ गुफा है। वशिष्ठ गुफा शांति और ध्यान के लिए अच्छा स्थान है। बताया जाता है कि इस गुफा में स्वामी पुरुषोत्तमानंद ने तप किया था। यहां पर आने वाले पर्यटकों को इस गुफा को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

जानकी सेतु

आध्यात्मिक शहर ऋषिकेश में मौजूद जानकी सेतु की खूबसूरती पर्यटकों का मन मोह सकती है। दरअसल, जी 20 बैठक के दौरान इस स्थान को बहुत सुंदर तरीके से सजाया गया था। सेतु और आसपास की दीवारों पर रंग-बिरंगी तस्वीरें जानकी सेतु पुल की सुंदरता में चार चांद लगाती है। वहीं यह फोटोशूट के लिए भी बेहतरीन जगह है। ऋषिकेश में योग पार्क और प्रियदर्शनी पार्क भी बना हुआ है।

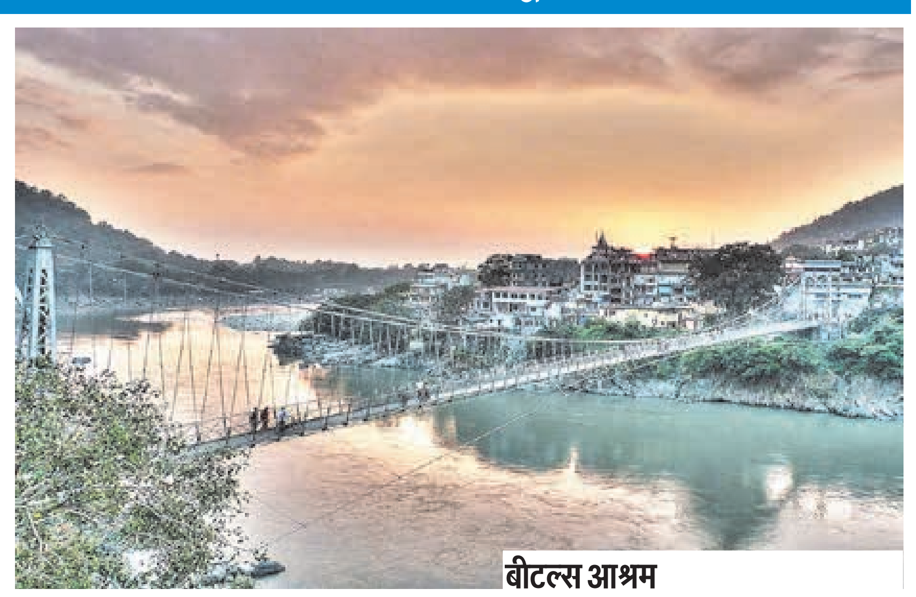

बीटल्स आश्रम

बता दें कि साल 1961 में महर्षि महेश योगी द्वारा ऋषिकेश में योग और ध्यान की शिक्षा के लिए एक आश्रम का निर्माण कराया गया था। वहीं 60 के दशक में फेमस बीटल्स बैंड ध्यान की खोज में इस आश्रम पहुंचे थे। तब से यह आश्रम बीटल्स आश्रम के नाम से जाना जाने लगा। इस आश्रम में बीटल्स बैंड के सदस्य आकर रुके थे।

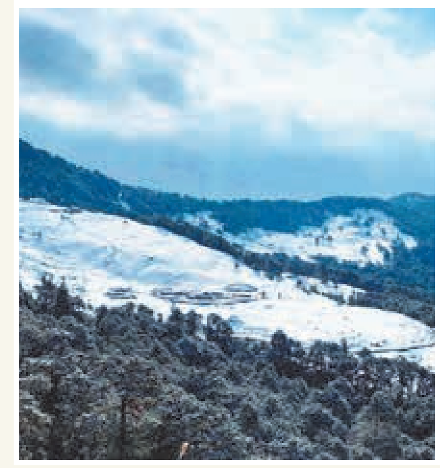

मनाली घूमने का बना रहे प्लान तो इन बातों का रखें ध्यान, ट्रिप में नहीं होगी कोई परेशानी

मई-जून के महीने में अक्सर लोग पूरे परिवार के साथ मनाली ट्रिप का प्लान कर रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में बच्चों की छुट्टियां पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप इस महीने मनाली घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।

गर्मियों का मौसम हो या फिर सर्दियों का, मनाली में हर सीजन में पर्यटकों की भीड़ देखने को मिलती है। गर्मी में ठंडक के एहसास के लिए लोग मनाली जाते हैं। वहीं सर्दियों में स्नो का नजारा देखने के लिए मनाली जाते हैं। यही वजह है कि यहां पर किसी भी मौसम में पर्यटकों की भीड़ कम नहीं होता है। मई-जून के महीने में अक्सर लोग पूरे परिवार के साथ मनाली ट्रिप का प्लान कर रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में बच्चों की छुट्टियां पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप इस महीने मनाली घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि मनाली घूमने जाने के दौरान किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

गर्मियों के मौसम में जा रहे हैं, यह सोचकर ट्रिप देर से न करें। प्रयास करें कि आस यात्रा की शुरूआत सुबह जल्दी करें। इससे आप आधा रास्ता जल्दी और सुकून से कवर कर लेंगे। वरना आप दिन में मनाली की सड़कों पर लगे जाम में घंटों तक फंसे रह सकते हैं।

यदि आप सोच रहे हैं कि गर्मियों में आपको मनाली में होटल सस्ते मिल जाएंगे, तो ऐसा नहीं है। क्योंकि इस दौरान पर्यटकों की भीड़ ज्यादा बढ़ जाती है, इसलिए आप भी पहले से होटल आदि बुक कर लें। वहीं आप मनाली घूमने के लिए ट्रैवल एजेंट या फिर ऑनलाइन बुकिंग भी कर सकते हैं।

बता दें कि शहर में आपको पर्यटन स्थलों पर जाने के लिए घंटों ट्रैफिक में फंसे रहना पड़ सकता है। इसलिए प्रयास करें कि आप ट्रैफिक से बचने के लिए सुबह जल्दी होटल से निकल जाएं। वहीं अगर आप अटल टनल, सोलांग वैली या रोहतांग के आसपास की जगहों को एक्सप्लोर करने का प्लान बना रहे हैं, तो सुबह जल्दी होटल से निकल जाएं। ये जगहें सनसेट व्यू प्वॉइंट के लिए जाने जाते हैं।

वहीं मनाली में आप दिन में सर्दी लगने के कारण वहीं बल्कि तेज धूप की वजह से परेशान हो सकते हैं। इसलिए छाता और टोपी साथ लेकर चलें। वहीं गर्मी और सर्दी वाले कपड़े भी लेकर जाएं। क्योंकि रात के समय तापमान यहां पर कम हो जाता है। अगर आपको ऑनलाइन पेमेंट करने में समस्या हो सकती है, इसलिए कैश साथ लेकर चलें।

शांति, प्राकृतिक सौंदर्य और औपनिवेशिक विरासत का अद्भुत संगम है डलहौज़ी

डलहौज़ी एक ऐसा स्थल है जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, इतिहास और शांति का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है। यहाँ की वादियाँ, झीलें, जलप्रपात और दूर-दूर तक फैले पहाड़, किसी चित्रकार की कल्पना जैसे प्रतीत होते हैं।

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में स्थित डलहौज़ी एक सुंदर और शांत पहाड़ी स्थल है, जो अपनी ठंडी जलवायु, हरे-भरे देवदार के जंगलों, और औपनिवेशिक वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। समुद्र तल से लगभग 1,970 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शहर 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौज़ी द्वारा स्थापित किया गया था और आज भी अपने ब्रिटिश युग की विरासत को सहेजे हुए है।

डलहौज़ी की विशेषताएँ

डलहौज़ी एक ऐसा स्थल है जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, इतिहास और शांति का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है। यहाँ की वादियाँ, झीलें, जलप्रपात और दूर-दूर तक फैले पहाड़, किसी चित्रकार की कल्पना जैसे प्रतीत होते हैं। यह स्थल उन यात्रियों के लिए आदर्श है जो भीड़-भाड़ से दूर, सुकून के पल बिताना चाहते हैं।

प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. खजियार - भारत का 'मिनी स्विट्ज़रलैंड'

डलहौज़ी से लगभग 22 किमी दूर स्थित खजियार एक छोटा सा पठार है, जिसे घास के मैदान, झील और देवदार के पेड़ों से घिरा हुआ माना जाता है। यहाँ की खूबसूरती और खुला मैदान बच्चों और फोटोग्राफरों को बेहद पसंद आता है।

2. कालाटोप वाइल्डलाइफ सैंक्चुरी

यह जंगल क्षेत्र वन्य जीव प्रेमियों और ट्रेकिंग करने वालों के लिए आदर्श स्थान है। यहाँ से धौलाधार पर्वतमाला के अद्भुत दृश्य दिखाई देते हैं।

3. पंचपुला

डलहौज़ी के पास स्थित यह जलप्रपात गर्मियों में बेहद लोकप्रिय होता है। यहाँ की ताजगीभरी हवा और पानी की कलकल ध्वनि मन को शांति देती है।

4. सुभाष बाओली

यह एक शांत जगह है जहाँ नेताजी सुभाष चंद्र बोस कुछ समय के लिए ठहरे थे। यह स्थान घने पेड़ों और पानी के झरनों से घिरा है।

5. सेंट जॉन और सेंट फ्रांसिस चर्च

ब्रिटिश काल में बनी ये चर्चें औपनिवेशिक वास्तुकला की सुंदर मिसाल हैं और पर्यटकों को अतीत से जुड़ने का अवसर देती हैं।

डलहौज़ी में क्या करें?

ट्रेकिंग और नेचर वॉक

फोटोग्राफी और बर्ड वॉचिंग

लोकल हस्तशिल्प और ऊनी वस्त्रों की खरीदारी

हिमाचली व्यंजनों का स्वाद लेना (मदरा, चना मसर, सीडू आदि)

ध्यान और योग के लिए एकांत वातावरण का लाभ उठाना

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मार्च से जून: गर्मियों में ठंडी और सुहावनी जलवायु के लिए उपयुक्त।

सितंबर से नवंबर: हरियाली और पर्वतीय शांति के लिए आदर्श।

दिसंबर से फरवरी: बर्फबारी का आनंद लेने वालों के लिए स्वर्ग समान।

कैसे पहुँचे डलहौज़ी?

हवाई मार्ग: निकटतम हवाई अड्डा पठानकोट (लगभग 75 किमी) है।

रेल मार्ग: निकटतम रेलवे स्टेशन पठानकोट है, जहाँ से टैक्सी या बस के माध्यम से डलहौज़ी पहुँचा जा सकता है।

सड़क मार्ग: डलहौज़ी हिमाचल और पंजाब के प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग द्वारा अच्छी तरह जुड़ा है।

डलहौज़ी उन यात्रियों के लिए एक आदर्श गंतव्य है जो शहर की भीड़-भाड़ और तनाव से दूर, पहाड़ों की गोद में कुछ सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं। यहाँ का हर कोना एक अलग कहानी कहता है — कभी औपनिवेशिक इतिहास की, कभी प्रकृति की, और कभी आत्मिक शांति की।

संक्षिप्त समाचार

रूबियो ने रूस के विदेश मंत्री से की बात

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच सोमवार को फोन पर बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने रूस-यूक्रेन युद्ध, द्विपक्षीय संबंधों और ईरान की स्थिति पर चर्चा की। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि बातचीत का अनुरोध रूस की ओर से किया गया था। रूसी विदेश मंत्रालय के अनुसार लावरोव ने कीव में यूक्रेनी सेना से जुड़े ठिकानों पर हमले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये कार्रवाई रूस के अंदर नागरिक इलाकों पर हो रहे कथित हमलों के जवाब में की गई। लावरोव ने अमेरिका समेत अन्य देशों से कीव में मौजूद अपने राजनयिकों और नागरिकों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने को भी कहा।

कैलिफोर्निया के रासायनिक टैंक में विस्फोट का खतरा टला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित गार्डन ग्रोव में एयरोस्पेस प्लांट के क्षतिग्रस्त रासायनिक टैंक में अब विस्फोट का खतरा काफी हद तक खत्म हो गया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि टैंक में आई दरार से दबाव कम हुआ और तापमान घट गया। टैंक में मेथाइल मेथाक्रिलेट नामक खतरनाक रसायन भरा था, जिसके गर्म होने से विस्फोट की आशंका पैदा हो गई थी। एहतियात के तौर पर 50 हजार से अधिक लोगों को इलाके से निकाला गया था। हालांकि अब हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं, लेकिन सुरक्षा कारणों से निकासी आदेश अभी भी जारी है।

अमेजन संरक्षण के लिए ब्राजील का बड़ा निवेश

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील सरकार ने अमेजन वर्षावन क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए 3.1 अरब रियाल यानी करीब 617.5 मिलियन डॉलर निवेश करने की घोषणा की है। यह राशि इको इन्वेस्ट कार्यक्रम के तहत दी जाएगी, जिसका उद्देश्य जैव अर्थव्यवस्था, सतत पर्यटन और बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। सरकार के अनुसार निजी और विदेशी निवेशकों की मदद से परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा। राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की सरकार का कहना है कि यह पहल 2050 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य हासिल करने और अमेजन में वनों की कटाई रोकने में मदद करेगी।

कैलिफोर्निया के रासायनिक टैंक में विस्फोट का खतरा टला

कैलिफोर्निया , एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित गार्डन ग्रोव में एयरोस्पेस प्लांट के क्षतिग्रस्त रासायनिक टैंक में अब विस्फोट का खतरा काफी हद तक खत्म हो गया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि टैंक में आई दरार से दबाव कम हुआ और तापमान घट गया। टैंक में मेथाइल मेथाक्रिलेट नामक खतरनाक रसायन भरा था, जिसके गर्म होने से विस्फोट की आशंका पैदा हो गई थी। एहतियात के तौर पर 50 हजार से अधिक लोगों को इलाके से निकाला गया था। हालांकि अब हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं, लेकिन सुरक्षा कारणों से निकासी आदेश अभी भी जारी है।

पाकिस्तान के आयोग ने बढ़ती असुरक्षा पर दी गंभीर चेतावनी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने बलूचिस्तान में लगातार हमलों, अपहरणों व हिंसक घटनाओं से बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर चिंता जताई। उसने सोमवार को गंभीर चेतावनी दी कि यदि देश में बढ़ रहे हमले शीघ्र नियंत्रित नहीं हुए तो पूरे देश में हालात बिगड़ेंगे। एचआरसीपी ने जोर देकर कहा कि संघर्ष के हालात में भी नागरिकों को कभी भी निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। उसने कहा, नागरिकों और गैर-लड़ाकों को सौदेबाजी के उपकरण के रूप में इस्तेमाल करना अस्वीकार्य है।

जापान में कॉनबिनी साम्राज्य के संस्थापक सुजुकी का निधन

टोक्यो, एजेंसी। सेवन-इलेवन सुविधा स्टोर श्रृंखला के वैश्विक खुदरा साम्राज्य की स्थापना का श्रेय पाने वाले जापानी व्यवसायी तोशिफुमी सुजुकी का 93 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। सुजुकी ने जापान में 7-इलेवन के उन सर्वव्यापी कॉनबिनी आउटलेट्स का संचालन करने वाली इकाई की स्थापना की, जहां व्यस्त लोग सैंडविच, राइस बॉल, पेय पदार्थ, चिप्स और अन्य भोजन खरीद सकते हैं, एटीएम का उपयोग कर सकते हैं और बिजली के बिलों का भुगतान कर सकते हैं।

अमेरिकी सेना का दक्षिणी ईरान पर बड़ा हमला, होर्मुज में माइंस बिछा रही नावों को किया तबाह

तेहरान, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में मंगलवार तड़के एक बहुत बड़ा और खतरनाक सैन्य टकराव देखने को मिला है। अमेरिकी सेना ने दक्षिणी ईरान के कई अहम सैन्य ठिकानों पर अचानक बहुत भारी हवाई हमले किए हैं। इन बड़े हमलों से पूरे इलाके में एक बार फिर से भयंकर युद्ध भड़कने की गहरी आशंका पैदा हो गई है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने अपनी इस बहुत बड़ी और अहम सैन्य कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि कर दी है।

इस कड़ी कार्रवाई का मुख्य कारण होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी सेना द्वारा पैदा किया जा रहा भारी खतरा था। अमेरिकी सैनिकों और वहां मौजूद युद्धपोतों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह बहुत कड़ा कदम उठाया गया है। अमेरिका का साफ कहना है कि वह सीजफायर के बीच संयम बरत रहा है लेकिन आत्मरक्षा सर्वोपरि है। इस अचानक हुए बड़े हमले ने पूरी दुनिया को एक बहुत बड़े संकट और गहरी चिंता में डाल दिया है।

माइंस बिछा रही नावें तबाह : अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार होर्मुज में दो ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की नावों को माइंस बिछाते देखा गया था। इस भारी खतरे को देखते हुए अमेरिकी नौसेना और वायुसेना ने तुरंत एक संयुक्त और कड़ा जवाबी हमला किया। इस अचूक और तेज कार्रवाई में दोनों ईरानी नावों को मौके पर ही पूरी तरह तबाह कर दिया गया। अमेरिकी सेना का यह खतरनाक हमला केवल होर्मुज जलडमरूमध्य तक ही बिल्कुल सीमित नहीं रहा। सेना ने बंदर अब्बास क्षेत्र में मौजूद एक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल साइट को भी निशाना बनाया। इस ईरानी मिसाइल साइट ने अमेरिकी लड़ाकू विमानों को अपना निशाना बनाने की नाकाम कोशिश की थी।

मिसाइल लॉन्चर को किया तबाह : अमेरिकी सेना ने मिसाइल लॉन्चर और वहां मौजूद सभी संबंधित सैन्य ढांचे को पूरी तरह नष्ट कर दिया। ईरानी मीडिया ने भी बंदर अब्बास, सीरिक और जास्क के पास भारी धमाकों की स्पष्ट पुष्टि की है। यह सभी इलाके रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट के बहुत ही ज्यादा करीब मौजूद हैं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका ने अपने इस घातक हमले को बहुत ही सीमित दायरे में रखा है। इसका मुख्य उद्देश्य ईरान के साथ जारी इस बड़े संघर्ष को और ज्यादा बिल्कुल नहीं बढ़ाना था। अधिकारियों ने साफ कहा है कि इस कार्रवाई का मतलब यह नहीं है कि मौजूदा युद्धविराम पूरी तरह खत्म हो गया है।

तेल निर्यात पर बड़ा खतरा : स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यात मार्गों में से एक बहुत ही अहम और खास समुद्री रास्ता है। इस संवेदनशील इलाके में तनाव बढ़ने से वैश्विक तेल सप्लाई चेन पर बहुत बड़ा और गंभीर असर पड़ सकता है। फिलहाल यह सैन्य कार्रवाई समाप्त हो चुकी है लेकिन अमेरिकी बल वहां अपनी पूरी सतर्कता बनाए हुए हैं।

अब्राहम अकॉर्ड पर टिके ट्रंप : बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को अपने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा था कि युद्ध समाप्त करने के लिए ईरान के साथ शांति वार्ता अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ईरान अपने सर्वोच्च नेता से परामर्श के लिए जिस जटिल संचार नेटवर्क का इस्तेमाल कर रहा है, उसके चलते अंतिम फैसले में कुछ समय लग सकता है। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा कि ईरान के साथ शांति वार्ता में मध्यस्थता कर रहे देशों को अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करने चाहिए, जो इजरायल और अरब देशों के बीच राजनयिक, आर्थिक एवं सुरक्षा संबंध स्थापित करने से संबंधित है। उन्होंने कहा कि ईरान का इस समझौते पर हस्ताक्षर करना सम्मान की बात होगी।

पांच मुस्लिम देशों पर ट्रंप का दबाव : ट्रंप ने कहा, 'अमेरिका की ओर से इस बेहद जटिल पहेली को सुलझाने के लिए किए गए सभी प्रयासों के बाद, इन सभी देशों के लिए यह अनिवार्य होना चाहिए कि वे कम से कम अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करें।' हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर एक-दो देश के पास ऐसा न करने का कोई कारण हो तो इसे स्वीकार किया जा सकता है। अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के मध्यस्थों में से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और बहरीन पहले ही अब्राहम समझौते पर दस्तखत कर चुके हैं। ट्रंप चाहते हैं कि सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, तुर्किये, मिस्र और जॉर्डन भी इस समझौते पर हस्ताक्षर करें। इस बीच, अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई एक अज्ञात स्थान से काम कर रहे हैं।

लेबनान पर इस्राइल का हमला: हिजबुल्ला के 70 ठिकानों पर बमबारी, सीमाई इलाकों में स्कूल बंद, सात लोगों की मौत

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल और लेबनान की सीमा पर चल रही लड़ाई अब बहुत खतरनाक हो गई है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के आदेश के बाद इस्राइली सेना ने लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ हमले बहुत तेज कर दिए हैं। इस्राइल की वायुसेना ने ताबड़तोड़ हमले करके हिजबुल्ला के 70 से ज्यादा ठिकानों को तबाह कर दिया है। इन हमलों में करीब 85 बमों और मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया है। दूसरी तरफ, लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी एएनए के मुताबिक, इस्राइल के इन हमलों में सात लोगों की मौत हो गई है।

टायर और बेका घाटी में भारी बमबारी : इस्राइली सेना ने सोशल मीडिया पर बताया कि उन्होंने लेबनान के टायर इलाके में हिजबुल्ला के 10 कमांड सेंटर, हथियारों के गोदाम और दूसरे ठिकानों को निशाना बनाया है। सेना ने यह भी दावा किया कि मोटरसाइकिल पर जा रहे हिजबुल्ला के लड़ाकों को भी मार गिराया गया है। इसके अलावा, इस्राइली लड़ाकू विमानों ने लेबनान की बेका घाटी और कई दूसरे इलाकों में बने हिजबुल्ला के ठिकानों पर भी भारी बम बरसाए हैं।

मश्घरा और कौथारियत में मलबे से निकले शव : लेबनान से आ रही खबरों के मुताबिक, इस्राइल के इन हवाई हमलों से वहां भारी नुकसान हुआ है। मश्घरा नाम के इलाके में हुए हमले में पांच लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। यहां बमबारी से घर टूट गए, जिसके बाद बचाव दल के लोगों ने मलबे के नीचे से शवों और घायलों को बाहर निकाला। इसी तरह कौथारियत अल-सियाद में हुए एक और हमले में दो लोगों की जान चली गई और दो लोग घायल हो गए। हिजबुल्ला की तरफ से होने वाले पलटवार और ड्रोन हमलों को देखते हुए इस्राइल ने अपने उत्तरी बॉर्डर वाले इलाकों में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। इस्राइल के होम फ्रंट कमांड ने मंगलवार से नई पाबंदियां लगा दी हैं।

लाओस की गुफा में फंसे सात लोगों को बचाने के लिए अभियान जारी

वियनतियाने , एजेंसी। लाओस के शाइसोंबून प्रांत में पिछले सप्ताह से गुफा में फंसे सात लोगों को बचाने के लिए रेस्क्यू अभियान तेज कर दिया गया है। ये ग्रामीण 19 मई को सोने की तलाश में गुफा में गए थे, तभी भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से बाहर निकलने का रास्ता बंद हो गया। एक व्यक्ति समय रहते बाहर निकल आया और उसने अधिकारियों को सूचना दी। लाओस और थाईलैंड की संयुक्त रेस्क्यू टीमें लगातार अभियान चला रही हैं। गोताखोर पानी से भरे संकरे रास्तों से होकर अंदर पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल गुफा में फंसे लोगों की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है।

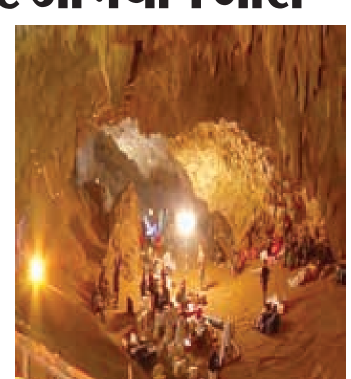

पाकिस्तानः दो बसें आपस में टकराईं, 17 लोगों की मौत : मर्दान , एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी मर्दान जिले में स्वात एक्सप्रेस-वे पर सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 17 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, एक तेज रफ्तार बस ने सड़क किनारे खड़ी दूसरी बस को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में पांच लोग घायल भी हुए हैं, जिनका उपचार जारी है। मृतक मुख्य रूप से अपर दीर और बाजौर जिलों के रहने वाले थे और स्वात घाटी जा रहे थे। बचाव दल मौके पर राहत कार्यों में जुटा है और मृतकों की पहचान की जा रही है।

रूस ने यूक्रेन को दी बड़े हमले की चेतावनी, कीव पर हमले का खतरा, नागरिकों से शहर छोड़ने की अपील

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच चार साल से जारी युद्ध अब एक और भी ज्यादा भयंकर मोड़ पर पहुंच गया है। स्टारोबिस्क में हुए घातक ड्रोन हमले के बाद रूस बुरी तरह से भड़क गया है। इस खतरनाक हमले में 18 लोगों की जान जाने और 42 अन्य के घायल होने के बाद रूस ने कीव पर बड़े हमले की धमकी दी है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने यूक्रेन की राजधानी कीव में रक्षा ढांचे पर लगातार और बहुत ही व्यवस्थित हमले करने की खुली चेतावनी दी है। इस बड़ी सैन्य धमकी के साथ ही मॉस्को ने विदेशी और स्थानीय नागरिकों के लिए एक बहुत सख्त सलाह भी जारी की है। रूस ने सभी राजनयिकों, विदेशी नागरिकों और आम लोगों को जल्द से जल्द कीव शहर खाली करने का सीधा आदेश दिया है। इसके साथ ही लोगों को जेलेंस्की शासन के सभी सैन्य और प्रशासनिक ढांचे की सुविधाओं

से बहुत दूर रहने की स्पष्ट चेतावनी दी गई है। यह अहम कदम भारी तबाही से लोगों की कीमती जान बचाने के लिए उठाया गया है।

ड्रोन निर्माण केंद्रों पर निशाना : रूसी सशस्त्र बल अब कीव में मौजूद उन सभी यूक्रेनी रक्षा उद्यमों पर अपना सीधा निशाना साधने की पूरी तैयारी कर रहे हैं। इनमें विशेष रूप से वे महत्वपूर्ण सुविधाएं शामिल हैं जहां घातक ड्रोन डिजाइन और तेजी से प्रोग्राम किए जाते हैं। नाटो विशेषज्ञों की सीधी मदद से संचालित होने वाले इन सभी केंद्रों और ठिकानों को पूरी तरह से तबाह करने की सख्त योजना है।

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने इस बड़े और भयंकर हमले से पहले अमेरिकी विदेश सचिव को इसकी पूरी आधिकारिक जानकारी दे दी है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि रूसी क्षेत्र पर नागरिकों और बुनियादी ढांचे के खिलाफ कीव के हमलों का यह एक कड़ा जवाब है। यूक्रेनी सेना की सभी बड़ी जरूरतों को पूरा करने वाले केंद्रों और फैसला लेने वाले संस्थानों पर अब लगातार भारी बमबारी की जाएगी।

यूक्रेन की वायु रक्षा में भारी कमी : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने हमले के इस बड़े खतरे के बीच अपनी वायु रक्षा प्रणाली की भारी कमी का स्पष्ट रूप से जिक्र किया है। उन्होंने माना कि ईरान युद्ध के कारण पूरी दुनिया में एंटी-बैलिस्टिक क्षमताओं की भारी और लगातार कमी बनी हुई है। यूक्रेन अब इस बड़ी कमी को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए अपने सभी यूरोपीय और अमेरिकी सहयोगियों के साथ बहुत तेजी से काम कर रहा है। बीते कुछ महीनों में कीव ने अपनी ड्रोन युद्ध क्षमता को बहुत ज्यादा बढ़ाकर रूसी ठिकानों को भारी और अभूतपूर्व नुकसान पहुंचाया है। यूक्रेन ने रूस के अहम ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर कई बहुत सफल और बड़े हमले लगातार किए हैं जिससे वहां काफी ज्यादा तबाही मची है। रूस ने यूक्रेन के इन सभी घातक हमलों को सीधा आतंकवाद करार दिया है और अब कीव पर बड़े पैमाने पर मिसाइल हमलों से अपना कड़ा जवाब दे रहा है।

सेनेगल को मिला नया प्रधानमंत्री

डकार , एजेंसी। सेनेगल के राष्ट्रपति बासिरू दियोमाये फाये ने अहमादू अल अमीनू लो को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री उस्मान सोनको को हटाए जाने के बाद यह फैसला लिया। सोनको और राष्ट्रपति फाये के बीच पिछले कई महीनों से नीतिगत मतभेद बढ़ रहे थे, खासकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से कर्ज वार्ता को लेकर। लो इससे पहले पश्चिम अफ्रीकी केंद्रीय बैंक में वरिष्ठ पद पर कार्य कर चुके हैं। नई सरकार ऐसे समय में बन रही है जब सेनेगल आर्थिक संकट और सत्तारूढ़ पार्टी के अंदरूनी विवादों से जूझ रहा है।

अपनी नियुक्ति के बाद राजकीय टेलीविजन पर बोलते हुए, नए प्रधानमंत्री अहमदौ लो ने कहा कि सेनेगल की वित्तीय कठिनाइयों के बीच वह घरेलू व्यवसायों और विदेशी निवेशकों के विश्वास को मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश वर्तमान में एक कठिन दौर से गुजर रहा है, खासकर सार्वजनिक वित्त की स्थिति का अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ रहा है। सेनेगल के नेता ने इस बात पर जोर दिया कि देश अंतरराष्ट्रीय समुदाय और विदेशी निवेशकों की नजर में एक स्थिर, सुरक्षित और प्रतिष्ठित गंतव्य के रूप में अपनी छवि की रक्षा और उसे बेहतर बनाने का प्रयास जारी रखेगा। इससे पहले, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सेनेगल के लिए 1.8 अरब डॉलर के ऋण कार्यक्रम को निलंबित कर दिया था, क्योंकि यह पता चला था कि देश ने अपने सार्वजनिक ऋण की गलत जानकारी दी थी। संशोधित आंकड़ों के अनुसार, 2024 के अंत तक सेनेगल का सार्वजनिक ऋण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 132% तक पहुंच गया था। सेनेगल के पूर्व प्रधानमंत्री सोनको ने अनुमानित 13 अरब डॉलर के सार्वजनिक ऋण के पुनर्गठन की सेनेगल की योजना का विरोध किया है, उनका दावा है कि आईएमएफ इस पर दबाव डाल रहा है। वहीं, राष्ट्रपति बस्सिरू डियोमाये फे ने इस मामले पर बहुत कम बयान दिए हैं। राष्ट्रपति फेय ने 23 मई को सोनको को बर्खास्त कर दिया, यह कदम दोनों नेताओं के बीच महीनों से चल रहे तनाव का परिणाम माना जाता है, जो कभी करीबी राजनीतिक सहयोगी थे। मार्च में, सोनको ने चेतावनी दी थी कि यदि राष्ट्रपति फेय पार्टी की दिशा से विचलित होती हैं, तो वे संसद में बहुमत रखने वाली सत्तारूढ़ पेस्टेफ पार्टी को विपक्ष में ले जा सकते हैं। इससे आईएमएफ समर्थन बहाल करने के लिए आवश्यक सुधारों को लागू करने की सरकार की क्षमता पर चिंताएं बढ़ गईं। अपनी नई भूमिका में अपने पहले बयान में, प्रधान मंत्री लो ने इस बात की पुष्टि की कि उनकी नियुक्ति राष्ट्रपति फेय के नेतृत्व में सेनेगल की सुधार के प्रति प्रतिबद्धता में बदलाव का संकेत नहीं देती है, बल्कि एक नए दृष्टिकोण को दर्शाती है जो नेता के दृष्टिकोण के साथ अधिक मेल खाता है।

श्री लो ने अपने पूर्ववर्ती उस्मान सोनको की भी प्रशंसा की और पिछली सरकार की उपलब्धियों को स्वीकार किया। उन्होंने विशेष रूप से पिछले वर्ष घोषित आर्थिक सुधार योजना का उल्लेख किया, जो विकास को गति देने के लिए घरेलू संसाधनों का लाभ उठाने और उन्हें जुटाने पर केंद्रित है।

एशिया से यूरोप तक गर्मी की मार: ब्रिटेन, फ्रांस और स्पेन जैसे देशों में लू का कहर; किस देश में कितना तापमान?

लंदन, एजेंसी। दुनिया इस समय भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान की चुनौती का सामना कर रही है। भारत में जहां कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच रहा है, वहीं यूरोप, एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के कई देशों में भी रिकॉर्डतोड़ गर्मी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। वैज्ञानिकों और मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अल नीनो और जलवायु परिवर्तन के कारण हीटवेव अब पहले से ज्यादा खतरनाक, लंबी और जल्दी आने लगी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, जो गर्मी पहले जून-जुलाई में देखने को मिलती थी, अब वह मई महीने में ही रिकॉर्ड तोड़ रही है। कई देशों में स्कूलों, खेल आयोजनों और सार्वजनिक गतिविधियों पर असर पड़ा है। कुछ जगहों पर मौतों और स्वास्थ्य संकट की घटनाएं भी सामने आई हैं।

ब्रिटेन में गर्मी ने तोड़े पुराने रिकॉर्ड : ब्रिटेन में मई महीने का अब तक का सबसे गर्म दिन रिकॉर्ड किया गया। देश के मौसम विभाग के अनुसार लंदन के क्यू गार्डन्स में तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसने 1922 और 1944 के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी गर्मी आमतौर पर जुलाई या अगस्त में देखने को मिलती है, लेकिन इस बार मई में ही लोगों को झुलसा देने वाली गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी से बचने के लिए लोग पार्कों, फव्वारों और स्विमिंग पूल का सहारा लेते नजर आए। फ्रांस में भी स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है। देश के 350 से ज्यादा शहरों में मई महीने के तापमान के रिकॉर्ड टूट गए हैं।

कई इलाकों में तापमान 37 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। सरकार ने कई क्षेत्रों में हाई टेम्प्रेचर अलर्ट जारी किया है और लोगों को दोपहर के समय घरों में रहने की सलाह दी गई है। पेरिस में एक रनिंग इवेंट के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अधिकारियों का मानना है कि तेज गर्मी इसका एक बड़ा कारण हो सकती है। स्पेन भी इस समय भीषण हीटवेव का सामना कर रहा है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हालात ऐसे हैं कि रात में भी तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं जा रहा।

स्टारबक्स कोरिया के खिलाफ क्यों भड़का गुस्सा?, तीन बार सिर झुकाकर मांगी माफी; मालिक ने दी सफाई

सियोल , एजेंसी। दक्षिण कोरिया के दिग्गज व्यापारी चुंग योंग-जिन ने मंगलवार को दो सप्ताह के भीतर अपना दूसरा माफीनामा जारी किया है। स्टारबक्स के स्थानीय संचालन को 1980 के दशक में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों पर हुए हिंसक सैन्य दमन के पीड़ितों का मजाक उड़ाने वाले एक हालिया मार्केटिंग अभियान के चलते भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। स्टारबक्स कोरिया में 67.5 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले शिनसेग ग्रुप के अध्यक्ष ने एक वीडियो वाले बयान के दौरान तीन बार सिर झुकाकर माफी मांगी। उन्होंने देश की पूर्व सैन्य तानाशाही द्वारा मारे गए लोकतंत्र कार्यकर्ताओं के परिवारों और आम जनता से क्षमा की याचना की।

18 मई के विद्रोह के अपमान का लगा आरोप : कॉफी चेन ने तब सार्वजनिक आक्रोश को भड़काया, जब उसने टैंक नामक एक बड़े आकार के टंबलर को बढ़ावा देने की कोशिश की। इसके साथ 18 मई को टैंक डे घोषित कर दिया। यह 18 मई को ग्वांगजू शहर में हुए एक लोकतांत्रिक विद्रोह की वर्षगांठ थी, जिसे सैनिकों, टैंकों और हेलीकॉप्टरों द्वारा क्रूरतापूर्वक दबा दिया गया था, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए या घायल हुए थे।

इस मार्केटिंग अभियान ने 'इसे मेज पर पटक दो!' नारे का इस्तेमाल करके आक्रोश को और बढ़ा दिया, जिसे कई लोगों ने 1987 के एक कुख्यात पुलिस बयान के संदर्भ के रूप में पढ़ा। पुलिस ने छात्र कार्यकर्ता पार्क जोंग-चोल की यातना से हुई मौत को छिपाने का प्रयास किया था। पुलिस का दावा था कि जांचकर्ताओं ने उन्हें 'मेज पर पटक कर मारा' था, जिसके बाद पार्क की अचानक मृत्यु हो गई।

स्टारबक्स कोरिया ने सीईओ को किया बर्खास्त : यह मार्केटिंग प्रचार तुरंत ही गुस्से का वजह बन गया और कुछ ही घंटों में शिनसेग ग्रुप ने इसे रद्द कर दिया। इसके साथ ही स्टारबक्स कोरिया के मुख्य

कार्यकारी अधिकारी को बर्खास्त कर दिया गया। ग्वांगजू में मारे गए लोगों के परिवारों द्वारा की गई शिकायतों के आधार पर पुलिस ने भी जांच शुरू कर दी है।

चुन ने मंगलवार को कहा, 'मैं इस तथ्य को बहुत गंभीरता से लेता हूं कि स्टारबक्स कोरिया के अनुपयुक्त मार्केटिंग अभियान के कारण कई लोगों ने गहरा दर्द और गुस्सा महसूस किया।' उन्होंने स्टारबक्स की दुकानों के कर्मचारियों पर अपना गुस्सा न निकालने का भी आग्रह किया, यह कहते हुए कि जिम्मेदारी प्रबंधन की है। दुकानों पर किसी बड़ी घटना की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं थी।

कंपनी ने जारी किया बयान : शिनसेग ग्रुप के एक वरिष्ठ कार्यकारी, जियोंग संग-जिन ने कहा कि कंपनी को अभी तक कोई निर्णायक सबूत नहीं मिला है कि स्टारबक्स कोरिया के मार्केटिंग कर्मचारियों का इरादा लोकतंत्र समर्थक आंदोलन का मजाक उड़ाना था। हालांकि कर्मचारियों ने इस आरोप से इनकार किया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कुछ कर्मचारियों ने एक सप्ताह की आंतरिक समीक्षा के दौरान प्रबंधन के स्मार्टफोन सौंपने के अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया था। जियोंग ने कहा कि कंपनी पुलिस जांच के नतीजों को देखेगी और किसी भी कर्मचारी को, जिसका इरादा प्रदर्शनकारियों का उपहास करना पाया गया, उसे बर्खास्त कर दिया जाएगा। मार्केटिंग अभियान से उपजे गुस्से ने बहिष्कार के लिए सार्वजनिक आह्वान को जन्म दिया है, जिसे सरकारी अधिकारियों ने भी बढ़ावा दिया। इनमें गृह और सुरक्षा मंत्री यूं हो-जंग भी शामिल हैं, जिन्होंने कहा कि स्टारबक्स उत्पादों का सरकारी कार्यक्रमों में उपयोग नहीं किया जाएगा और श्रृंखला के इतिहास विरोधी व्यवहार पर खेद जताया।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com